





टेली मानस हेल्पलाइन

Tele MANAS (Tele Mental Health Assistance and Networking Across States)

(१४४१६/१८००-८९-१४४१६)

राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत केंद्र द्वारा प्रायोजित योजना 'टेली मानस' महाराष्ट्र राज्य में अक्टूबर २०२२ से कार्यान्वित की गई है। 'टेली मानस' कार्यक्रम के अंतर्गत हेल्पलाइन नंबर १४४१६ द्वारा निःशुल्क एकात्मिक और सर्वसमावेशक मानसिक स्वास्थ्य सेवा २४x७ प्रदान की जाती है। इसमें विविध मानसिक समस्याओं के लिए विशेषज्ञों द्वारा उपचार और समुपदेशन किया जाता है। 'टेली मानस' हेल्पलाइन पर आपके द्वारा दी गई जानकारी को पूर्णतः गोपनीय रखा जाता है। इस कारण विद्यार्थी अपनी समस्याएँ हेल्प लाइन नंबर पर कॉल करके निःसंकोच बताएँ तथा मन में उत्पन्न किसी भी शंका के संबंध में पूछकर उसके निराकरण और अपनी समस्या से संबंधित मार्गदर्शन प्राप्त करें और अन्य लोगों को भी इस सुविधा का लाभ उठाने हेतु प्रोत्साहित करें।

मनोदर्पण

शिक्षा मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय शैक्षणिक संशोधन व प्रशिक्षण परिषद के अंतर्गत जुलाई २०२० से मनोदर्पण (८४४८४४०६३२) हेल्पलाइन की निःशुल्क दूरध्वनि सेवा आरंभ की गई है। यह सुविधा विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों के लिए मनोवैज्ञानिक मार्गदर्शन तथा सहायता प्रदान करने हेतु प्रतिदिन प्रातः ८ बजे से संध्या ८ बजे की कालावधि में उपलब्ध कराई गई है। विद्यार्थी, अभिभावक एवं शिक्षक हेल्पलाइन पर संपर्क करके मार्गदर्शन एवं समुपदेशन प्राप्त कर सकते हैं।

प्रस्तुत पाठ्यपुस्तक राज्य शैक्षणिक संशोधन व प्रशिक्षण परिषद, महाराष्ट्र, पुणे निर्मित पाठ्यचर्या एवं पाठ्यक्रम के अनुसार तैयार करके उनके द्वारा पाठ्यपुस्तक की जाँच की गई है। शासन निर्णय क्रमांक : अभ्यास-२११६/(प्र.क्र.४३/१६) एसडी-४ दिनांक २५.०४.२०१६ के अनुसार समन्वय समिति का गठन किया गया। दि. १३. ०४.२०२६ को हुई इस समिति की बैठक में यह पाठ्यपुस्तक निर्धारित करने हेतु मान्यता प्रदान की गई है।



हिंदी बालभारती तीसरी कक्षा



समग्र शिक्षा

महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे-४११००४



चौखट में दिए गए Q.R.Code को स्मार्ट फोन द्वारा स्कैन करने पर तुम्हें डिजिटल पाठ्यपुस्तक एवं पाठ्यपुस्तक में दिए घटकों से संबंधित दृक, श्राव्य एवं दृकश्राव्य रूप में अध्ययन-अध्यापन सामग्री भी उपलब्ध होगी।

इस पुस्तक का सर्वाधिकार महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ के अधीन सुरक्षित है। इस पुस्तक का कोई भी भाग महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ के संचालक की लिखित अनुमति के बिना प्रकाशित नहीं किया जा सकता।

* हिंदी समिति सदस्य *

प्रा. अनुया दळवी, अध्यक्ष

श्री रामहित यादव, निमंत्रित सदस्य

श्री भुमेश्वर कटरे, सदस्य

श्री जयप्रकाश सूर्यवंशी, सदस्य

श्री माताचरण मिश्रा, सदस्य

डॉ. निर्मला राजपूत, सदस्य

श्रीमती जसवंत कौर पड्डा, सदस्य

डॉ. पूनम शिंदे, सदस्य

श्री नंदुलाल पवार, सदस्य

डॉ. ममता मेहता, सदस्य

श्री ता. का. सूर्यवंशी, निमंत्रित सदस्य

प्रा. शशि निधोजकर, निमंत्रित सदस्य

सौ. रजनी म्हैसाळकर, निमंत्रित सदस्य

डॉ. संदिप मुळे, अभ्यासक्रम समन्वयक

डॉ. अलका पोतदार- सदस्य सचिव

डॉ. प्रमोद शुक्ल, निमंत्रित सदस्य

श्री जितेंद्र गवळी, सदस्य

श्री सुनील बी. यादव, सदस्य

श्रीमती गीता जोशी, सदस्य

श्री अनिल अंबुले, सदस्य

अब्दुल रज्जाक शाह, सदस्य

श्रीमती अश्विनी मुदिराज, सदस्य

श्री समीर जाधव, सदस्य

श्रीमती अलका वर्मा, सदस्य

सौ. रंजना पिंगळे, निमंत्रित सदस्य

प्रा. मैनुद्दीन मुल्ला, निमंत्रित सदस्य

सौ. वृंदा कुलकर्णी, निमंत्रित सदस्य

* गुणवत्ता समीक्षक *

श्री संजय भारद्वाज

(गुणवत्ता परीक्षक)

श्री नरेंद्र लडकत

(विधि तज्ञ)

श्रीमती दिव्या वर्मा नायर

(CWSN तज्ञ)

* संयोजक *

डॉ. अलका पोतदार

विशेषाधिकारी हिंदी भाषा (वि.का.)

पाठ्यपुस्तक मंडळ, पुणे

मुखपृष्ठ : श्री भट्ट बागले

चित्रकार : सौ. शिल्पा दीक्षित,

लक्ष्मीकांत विजय काळे

अक्षरांकन : मुद्रा विभाग, पाठ्यपुस्तक

मंडळ, पुणे

कागज : ७० जीएसएम, क्रीमवोव

मुद्रणादेश :

मुद्रक :

* निर्मिति *

श्रीमती मिताली शितप

प्र. मुख्य निर्मिति अधिकारी

श्री राजेंद्र पांडलोसकर

निर्मिति अधिकारी

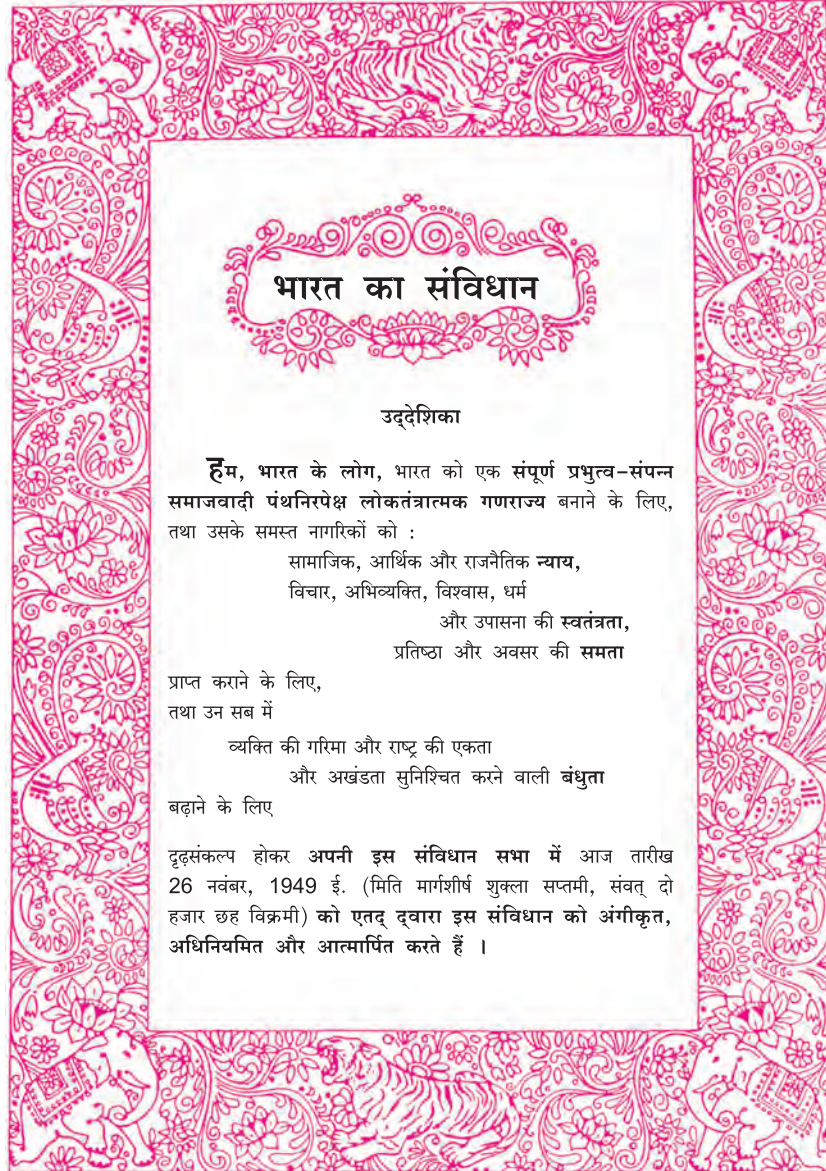
* प्रकाशक *

श्री हेमंत बाबर

प्र. नियंत्रक

पाठ्यपुस्तक निर्मिती मंडळ,

प्रभादेवी, मुंबई-२५



भारत का संविधान

भाग ४ क

मूल कर्तव्य

अनुच्छेद ५१ क

मूल कर्तव्य- भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह -

- (क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
- (ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
- (ग) भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
- (घ) देश की रक्षा करें और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
- (ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभावों से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
- (च) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
- (छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
- (ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
- (झ) सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे;
- (ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू ले;
- (ट) यदि माता-पिता या संरक्षक हैं, छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयुवाले अपने, यथास्थिति बालक या प्रतिपाल्य के लिए शिक्षा के अवसर प्रदान करें।

राष्ट्रगान

जनगणमन - अधिनायक जय हे
भारत - भाग्यविधाता ।
पंजाब, सिंधु, गुजरात, मराठा,
द्राविड, उत्कल, बंग,
विंध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा,
उच्छल जलधितरंग,
तव शुभ नामे जागे, तव शुभ आशिस मागे,
गाहे तव जयगाथा,
जनगण मंगलदायक जय हे,
भारत - भाग्यविधाता ।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय, जय हे ॥

प्रतिज्ञा

भारत मेरा देश है । सभी भारतीय मेरे भाई-
बहन हैं ।

मुझे अपने देश से प्यार है । अपने देश की
समृद्ध तथा विविधताओं से विभूषित परंपराओं
पर मुझे गर्व है ।

मैं हमेशा प्रयत्न करूंगा/करूंगी कि उन
परंपराओं का सफल अनुयायी बनने की क्षमता
मुझे प्राप्त हो ।

मैं अपने माता-पिता, गुरुजनों और बड़ों
का सम्मान करूंगा/करूंगी और हर एक से
सौजन्यपूर्ण व्यवहार करूंगा/करूंगी ।

मैं प्रतिज्ञा करता/करती हूँ कि मैं अपने
देश और अपने देशवासियों के प्रति निष्ठा
रखूंगा/रखूंगी । उनकी भलाई और समृद्धि में
ही मेरा सुख निहित है ।

प्रस्तावना

प्रिय विद्यार्थी मित्रो!

नया शैक्षणिक वर्ष प्रारंभ हो गया है। हिंदी बालभारती तीसरी कक्षा की यह पाठ्यपुस्तक तुम्हारे हाथों में सौंपते हुए बहुत हर्ष हो रहा है।

विद्यार्थी मित्रो! तुम सभी पहली, दूसरी कक्षा में वाचन-लेखन सीख चुके हो। हिंदी भाषा की यह पाठ्यपुस्तक पढ़ने के लिए तुम सभी विद्यार्थी उत्सुक होंगे। हिंदी भाषा की यह पाठ्यपुस्तक देखो और पढ़ो। पाठ्यपुस्तक तुम्हें अवश्य पसंद आएगी।

इस पाठ्यपुस्तक में बहुत सुंदर-सुंदर पाठ, चित्रकथा, चित्रवर्णन दिए गए हैं। ये पाठ पढ़कर तुम उनपर अनुभव व्यक्त करोगे। इन सभी पाठों के माध्यम से नई-नई बातें सीखने को मिलेंगी। पाठ्यपुस्तक में आए गीत, कविताएँ तुम लय-ताल एवं अभिनय के साथ प्रस्तुत कर सकोगे। ये सारी कविताएँ तुम्हें पढ़ने-बोलने और मित्रों/सहेलियों के साथ गाने में आनंद आएगा।

पाठ्यपुस्तक के पाठ, कविता, चित्रवाचन, चित्रकथा, विविध कृतियों के लिए दिए गए सुंदर-रंगीन मुखर चित्र तुम्हें निश्चित ही पसंद आएँगे। प्रसंगानुरूप चित्रों के कारण पढ़ी हुई पाठ्यसामग्री तुम्हें लंबे समय तक स्मरण रहेगी। पाठ्यपुस्तक में विभिन्न शीर्षकों के अंतर्गत दी गई सभी कृतियाँ हल करने से तुम्हारी भाषाई संपत्ति का अधिक-से-अधिक विकास होगा।

इस पाठ्यपुस्तक से तुम प्रभावी ढंग से पढ़ना, सुपाठ्य और शुद्ध लिखना एवं बोलना सीख सकोगे। आपस में बातचीत करने एवं संवाद स्थापित करने में आत्मविश्वास बढ़ेगा। पाठशाला, परिसर में संपर्क स्थापित करते, बोलते समय हिंदी भाषा का प्रभावी उपयोग कर सकोगे। विद्यार्थी मित्रो! हिंदी पढ़ो, समझो, बोलो, लिखो और आनंद के साथ अध्ययन करो।

तुम सबको बहुत-बहुत शुभकामनाएँ।



(अनुराधा ओक)

संचालक

पुणे

दिनांक : १९ अप्रैल २०२६

भारतीय सौर दिनांक : २ वैशाख शु. शके १९४८, अक्षय तृतीया

महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व
अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे.

भाषा संबंधी अध्ययन निष्पत्ति : प्रथम भाषा हिंदी (तीसरी)

अपेक्षा यह है कि तीसरी कक्षा के अंत तक विद्यार्थियों में भाषा संबंधी निम्नलिखित अध्ययन निष्पत्तियाँ विकसित होंगी।

क्षमता	अध्ययन निष्पत्ति	सीखने का प्रतिफल	पृष्ठ क्रमांक
C-1.1	1.1.1	विभिन्न संदर्भ में सुसंगत रूप से अपनी भाषा में ५-६ वाक्य बोलता है।	१, २, ३, ८, २०, २५, २८, ३२, ३६, ४०, ४३, ४५, ५०, ५४, ५८, ६२, ७०, ७३, ७६, ७८, ८४, ८७
	1.1.2	अनभुव की गई घटनाओं के बारे में अधिक जानने के लिए दूसरों के साथ संवाद करता है।	१, २, ८, २५, ३२, ५९, ६७
	1.1.3	घटित घटना, प्रसंग के बारे में अधिक जानने के लिए दूसरों से संवाद करता है।	१, २, ३, ४, १२, १६
C-1.2	1.2.1	कक्षा में विभिन्न प्रकार के पाठ पढ़ता है और मुख्य विचारों को साझा करता है।	६, १०, १४, १८, २१, २३, २५, २८, २९, ३०, ३२, ३४, ३६, ४०, ४१, ४३, ५०, ५४, ५६, ५८, ६२, ६५, ७२, ७३, ७४, ७६, ७७, ८०, ८४, ८५, ८७
	1.2.2	पाठ की मुख्य कल्पना, विषय अपनी भाषा में छह से आठ वाक्यों में बताता है।	२९, ३८, ४१, ५६, ७३, ७८, ८५
	1.2.3	पढ़े हुए पाठों का सारांश बताता है।	१५, १९, २३, २४, ३०, ३१, ३२
C-1.3	1.3.1	दिखाए गए/देखे हुए चित्र या वस्तु संबंधी ३-४ वाक्यों में जानकारी देता है।	१, २, ३, ६, १०, १४, १८, २१, ३२, ३६, ४०, ५०, ५४, ५८, ६२, ६५, ८६
	1.3.2	विभिन्न कार्यक्रमों के अवसर पर अपनी भाषा में शुभकामनाएँ देता है।	१७, २२, ३४, ५९
	1.3.3	कक्षा स्तर पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेता है और बोलता है।	१२, २३, ४७, ८२
	1.3.4	विभिन्न कार्यक्रमों में विभिन्न विषयों पर भाषण करता है।	८, ३४, ३५, ७३, ८५
C-2.1	2.1.1	परिचित और अपरिचित पाठों से सरल शब्दों और संयुक्त अक्षरोंवाले तीन से पाँच वाक्यों को उचित गति से और सटीकता से पढ़ता है।	५, ८, ९, २८, ३५, ४३, ५८, ७२, ८४
	2.1.2	किसी पाठ को पढ़ते समय चित्रों, शब्दों और दृश्य छवियों को मिलाकर उनका अर्थ समझता है।	१९, २३, २४
	2.1.3	पठित सामग्री का अर्थ अपनी भाषा में १-२ वाक्यों में बताता है।	३८, ५२
	2.1.4	अपरिचित पाठों में गद्य शब्दों के लिए परिचित भाषा में पर्यायी शब्द देता है।	३५, ५०, ५२, ५४, ६५, ७३, ८५
	2.1.5	पाठ्यसामग्री की विषयवस्तु का पूर्वानुमान लगाकर उसे अपनी भाषा में बताता है।	७, ११, ३४, ४८
C-2.2	2.2.1	पुस्तकों के अलावा अन्य पाठ्यसामग्री भी पढ़ता है, उदाहरण के लिए बाल साहित्य, समाचारपत्रों के समाचार बुलेटिन तथा परिचित या अपरिचित शब्दों की सूची बनाता है।	११, ३०, ६९, ७४
	2.2.2	प्रतिभागी पठन गतिविधि में भाग लेता है।	१२, ३८, ४८, ८२
	2.2.3	कहानियों, कविताओं या अन्य साहित्यिक विधाओं की विषयवस्तुओं को समझता है और उनमें अपनी जानकारी जोड़ता है।	८, २६, ३८, ४१, ७०, ७७, ८२
C-3.1	3.1.1	लेखन कार्यपद्धति का उपयोग करता है, जैसे अनुक्रमण, शीर्षकों या उपशीर्षकों की पहचान करना तथा परिचय, निष्कर्ष और परिच्छेद बनाना।	१०, १५, २८, ३६, ३९, ४३, ५०, ५४, ५८, ५९, ६७, ६८, ७३, ७६, ८०, ८३, ८४, ८५
	3.1.2	छात्र जो पाठ पढ़ते हैं; उसमें घटनाओं का क्रम सुसंगत रूप से लिखता है।	६, ११, ३३, ५१, ६८, ७७, ७८
	3.1.3	पाठ का शीर्षक और उपशीर्षक पहचानकर लिखता है।	३३, ३४, ५१, ६९
	3.1.4	अपने अनुभवों के बारे में व्यवस्थित तरीके से लिखता है।	१६, ३७, ६७
	3.2.1	पढ़ी हुए पाठ्यसामग्री के विषय के बारे में ५ से ६ वाक्यलेखन करता है।	१६, २६, २७, ३८, ७६, ८०
	3.2.2	दिए गए विषय के संदर्भ में स्वयं अपनी भाषा में सुसंगत रूप से ५ से ६ सरल वाक्य लिखता है।	५, १७, ३७, ३८, ४५, ६२, ७०, ७२, ८४
	3.3.1	विविध सुविचार, सुवचनों का अनुलेखन करता है।	३२, ३६, ८३, ८७, ८८
	3.3.2	पद्य पाठ्यसामग्री में तुकांतवाले शब्द लिखता है।	४, १६, १८, २६, ३८, ७०
	3.3.3	अपना अनुभव अपनी भाषा में ५ से ६ वाक्यों में लिखता है।	१२, ४३

C-3.4	3.4.1	शब्दों के बीच योग्य अंतर रखकर विरामचिह्नों के साथ वाक्यों का अनुलेखन करता है।	१३, १५, १७, ३७, ७४
	3.4.2	योग्य विरामचिह्नों का उपयोग कर वाक्य लेखन करता है।	७, १२, १३, १५, १७, २२, २८, ४०,
	3.4.3	संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन का विचार कर वाक्यों का लेखन करता है।	५, ९, २२, २९, ३०, ३२, ३३, ३८, ४१, ४९, ५१, ५९, ६६, ७१, ७३, ७९, ८१, ८५, ८८
C-4	4.1.1	शब्द के लिए समान अर्थवाला दूसरा शब्द बताता है।	१६, २७, ३१, ३७, ४४, ४८, ५५
	4.1.2	एक शब्द के अलग-अलग अर्थ खोजता है।	६५, ७५, ७७
	4.1.3	शब्द विस्तार करता है।	१०, ५४
	4.1.4	समुच्चयबोधक शब्द व शब्दसमूह के लिए एक शब्द खोजकर बताता है।	८, ११, ३४, ४०, ५३, ५५, ५७, ५९, ६१, ६३, ७३, ८५
C-4.2	4.2.1	विविध प्रसंगों व चित्रों का वर्णन करने के लिए शब्द योजना करता है।	४, २०, ४२, ४५, ६३, ६७
	4.2.2	भाषाई चित्र का खेल खेलते समय नये शब्दों का उपयोग करता है। उदा. - शब्दपहेली, एक अक्षर से शुरू होने वाले शब्द इत्यादि।	७, १४, १९, २०, २१, २९, ३३, ४३, ५२, ६४, ६६, ७३, ७७, ८५, ८७
C-4.3	4.3.1	कजरी, आल्हा, सोहर, बिदाई, विरह, भक्ति आदि की काव्यपंक्तियाँ पढ़कर उनमें आए अपरिचित शब्दों के अर्थ बताता है।	१८, ६०, ६२, ६३, ७२, ८४
	4.3.2	विविध लोकसाहित्य कजरी, आल्हा, लोककथा, लोकगीत इत्यादि में से अपरिचित शब्दों का संग्रह करता है।	४४, ८१
C-5.1	5.1.1	वाचन के लिए पुस्तकालय, सार्वजनिक पुस्तकालय में जाकर पुस्तकालय की पहचान करता है।	१२, ४६, ४७
	5.1.2	शालेय पुस्तकालय से नियमित रूप से पुस्तकें लेकर पढ़ता है।	१२, ३७, ४६
	5.1.3	रुचि के अनुसार कहानियों, गानों की पुस्तकें खोजता व पढ़ता है।	४, ४६, ४७
C-5.2	5.2.1	पुस्तक के मुखपृष्ठ, मल पृष्ठ, शीर्षक का निरीक्षण कर उसके बारे में की जाने वाली चर्चा में सहभागी होता है।	४६
C-5.3	5.3.1	समाचारपत्र में छायाचित्र देखकर समाचार का विषय बताता है।	३, ७, ८१
	5.3.2	समाचारपत्र के समाचारों के शीर्षक पढ़ता है।	३, १५, ८१

शिक्षकों/अभिभावकों और सुलभकों से बातचीत...

प्रिय शिक्षको/अभिभावको और सुलभको!

हिंदी बालभारती (प्रथम भाषा) तीसरी कक्षा की यह पाठ्यपुस्तक आप सबके सामने प्रस्तुत है। इसके अध्ययन-अध्यापन आरंभ करने से पहले नीचे दिए गए मुद्दों पर आपको ध्यान देना आवश्यक है :-

- सर्वप्रथम संपूर्ण पाठ्यपुस्तक का आकलनसहित वाचन करें।
- किसी पाठ का अध्यापन करने से पहले उनके नीचे दिए गए अध्यापन संकेतों को भली-भाँति समझकर उनका पालन करें।
- पाठ्यपुस्तक में आए प्रतीकों-चिह्नों को समझकर विद्यार्थियों को समझाएँ।
- पुस्तक में दी गई संपूर्ण पाठ्यसामग्री का उद्देश्य अध्ययन अनुभव द्वारा भाषाई कौशल एवं क्षमताओं के विकास के साथ पाठ के आशयों के अनुसार मूल्य, संस्कार और जीवन कौशल का विकास करना है; इसका ध्यान रखें।
- 'पूर्वानुभव', 'देखो', 'पहचानो और चर्चा करो', 'पढ़ो-समझो और लिखो', 'मिलकर गाओ', 'अंतर बताओ' आदि सभी पाठ, 'आओ करें' में दी गई कृतियाँ आनंददायी वातावरण में ही पूर्ण कराएँ। कृतियाँ पूर्ण करने में विशेष विद्यार्थियों की सहायता करें। आवश्यकतानुसार नये शब्दों के अर्थ दिए गए हैं।
- कविता, कहानी, संवाद आदि का अध्ययन अनुभव देते समय उचित उच्चारण, हाव-भाव, लय-ताल, आरोह-अवरोह आदि पर ध्यान दें एवं आवश्यकतानुसार उपयुक्त शैक्षणिक सामग्री का उपयोग अवश्य करें।
- अध्ययन-अध्यापन के समय पाठों में समाविष्ट अध्ययन क्षमताओं और निष्पत्तियों पर ध्यान दिया जाना अपेक्षित है। विद्यार्थियों में इनका विकास होना आवश्यक है।
- ध्यान दें कि इस पुस्तक के पाठों में पूछे गए प्रश्न उन्हीं पाठों तक सीमित नहीं हैं। विद्यार्थियों की कल्पना एवं विचारशक्ति के विकास हेतु पाठ को आधार बनाकर पाठबाह्य प्रश्न भी पूछे गए हैं। इनके अध्यापन पर विशेष ध्यान दें।
- विश्वास है कि आप सभी अध्ययन-अध्यापन में इस पुस्तक का कौशलपूर्ण ढंग से उपयोग करेंगे और विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि एवं आत्मीयता जाग्रत करने में सहयोग देंगे।

विषयसूची

पहली इकाई

१. बगीचा	१
२. खेलें हम	२
३. परियों का देश	४
४. स्वास्थ्य	८
५. परिपाठ	१२
६. ऋतु	१६
✿ पुनरावर्तन - १ ✿	२१

दूसरी इकाई

१. समझदारी	२३
२. चींटी और टिड्डा	२४
३. पंछी	२६
४. भलाई	३०
५. हमारे राष्ट्रीय त्योहार	३४
६. बाबू जी! तुम हँसा करो	३८
✿ पुनरावर्तन - २ ✿	४३

तीसरी इकाई

१. कला	४५
२. पुस्तकघर	४६
३. बनावटी सिंह	४८
४. सफलता	५२
५. विविधता में एकता	५६
६. सोहर गीत	६०
✿ पुनरावर्तन - ३ ✿	६५

चौथी इकाई

१. मेला	६७
२. चिंटी और मिंटी	६८
३. चमकें हम	७०
४. कद्दू और बेलफल	७४
५. अनमोल उपहार	७८
६. अगर पेड़ भी चलते...	८२
✿ पुनरावर्तन - ४ ✿	८७

प्रतीक चिह्न



सुनो



सुनो और बताओ



पढ़ो



बातचीत करो



लिखो



सांकेतिक भाषा



पूर्वानुभव : समझो और बताओ :

पहली इकाई

१. बगीचा



अध्यापन संकेत : चित्र का निरीक्षण कराएँ। चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहा है; यह पूछें। चित्र का निरीक्षण बारीकी से किया है या नहीं; यह जाँचने के लिए छोटे-छोटे प्रश्न पूछें। विद्यार्थियों के समूह बनाकर चित्र पर संवाद बनाने के लिए कहें। संवाद उचित ढंग, भाषा में हों; इसपर विशेष ध्यान दें। उन्हें अपने परिसर के बगीचे की जानकारी दो-तीन वाक्यों में बताने के लिए प्रेरित करें। उनके परिसर का बगीचा और चित्र में दिखाए बगीचे में अंतर बताने के लिए कहें।



देखो, पहचानो और चर्चा करो :

२. खेलें हम



अध्यापन संकेत : विद्यार्थियों से चित्रों का निरीक्षण करने के लिए कहें। चित्र में दिखाई देने वाले खेलों के नाम पूछें। इन खेलों के बारे में प्रश्नोत्तर के माध्यम से चर्चा करें। उन्हें उनकी पसंद के खेल के बारे में बताने के लिए कहें। विद्यार्थियों के समूह बनाकर इन खेलों का ३-४ वाक्यों में वर्णन करने के लिए प्रोत्साहित करें। अपने विद्यालय में खेले जाने वाले खेलों के बारे में अधिक जानने के लिए दूसरों से संवाद करने के लिए कहें। इन खेलों के लिए लगने वाली खेल सामग्री के बारे में पूछें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। घर एवं मैदान में खेले जाने वाले खेलों के नाम पूछें। विशेष विद्यार्थियों को भी खेल खेलने के अवसर प्रदान करें।



गोटी



टिपरी

अध्यापन संकेत : दिए गए चित्रों के बारे में जानकारी देकर विद्यार्थियों से घर में खेले जाने वाले खेल अथवा इसी तरह के अन्य खेल खेलने के लिए कहें। वे कौन-कौन-से खेल खेलते हैं, यह उनसे पूछें। समाचारपत्र में छपे विविध खेलों से संबंधित छायाचित्रों का वर्णन करने के लिए कहें। खेल संबंधी समाचारों के शीर्षक पढ़ने के लिए कहें। शीर्षक में दिए शब्दों के अर्थ पूछें। विभिन्न खेल खेलने से होने वाले लाभों पर चर्चा करें। खेल में हार-जीत स्वीकार करने का महत्त्व समझाएँ। विविध खेल खेलने के नियम बताएँ। खेलों के नियम बताकर उन्हें ध्यानपूर्वक सुनने के लिए कहें।



सुनो और मिलकर गाओ :

३. परियों का देश



– निधि मानसिंह

दादी जी, प्यारी दादी जी।
मुझे कहानी खूब सुनातीं।
पंख लगाकर सपनों के
परियों का देश दिखातीं।



लाल, नीली, पीली परियाँ,
तितली बनकर उड़ जातीं।
चाँदी जैसे पंख पसारे,
परियों की है रानी आती।

अध्यापन संकेत : लय-ताल के साथ कविता का वाचन करें। विद्यार्थियों से कविता का उचित लय-ताल के साथ अनुगायन कराएँ। तुकांत शब्दों के बारे में चर्चा करें। कविता में आए तुकांत शब्द ढूँढ़ने के लिए कहें। अन्य तुकांत शब्द बताने के लिए उन्हें प्रेरित करें। कविता में आए पाँच तुकांत शब्द लिखने के लिए कहें। जादूगर का जादू देखने के बाद जादू के संबंध में अधिक जानने के लिए अपने मित्रों, सहेलियों से आपस में संवाद करने के लिए कहें। चित्र का विवरण के साथ वर्णन करने के लिए कहें। ग्रंथालय से अपनी पसंद की कवितों की पुस्तकें पढ़कर शीर्षक बताने के लिए कहें।

सारी रात, परियों के साथ,
मैं भी फिरती, नाचती-गाती।
हुआ सवेरा, माँ जगाती,
परियाँ छोड़ मुझे, उड़ जातीं।



पढ़ो और समझो :



परी के हाथ में छड़ी है।
रंग-बिरंगी परियाँ सुंदर हैं।



आज मैंने सपना देखा।
मेरे बड़े-बड़े सपने हैं।



अर्चना ने पुस्तकें भेंट कीं।
मैंने एक पुस्तक पढ़ी।



मेरे पास एक सुंदर माला है।
यहाँ मालाएँ टँगी हुई हैं।



अध्यापन संकेत : दी गई पाठ्यसामग्री का विद्यार्थियों से वाचन कराएँ। 'वचनों' की संकल्पना स्पष्ट करते हुए एकवचन और बहुवचन शब्द ढूँढ़ने के लिए कहें। इसपर समूह में चर्चा करवाएँ। एक तालिका बनाकर उसमें उन्हें एकवचन, बहुवचन के शब्द लिखने के लिए कहें। पाठ में आए शब्दों का श्रुतलेखन करवाएँ। कविता पर आधारित ऐसी अन्य पाठ्यसामग्री देकर पढ़ने के लिए कहें और उस विषय पर पाँच-छह सरल वाक्य लिखने के लिए कहें।

आओ करें

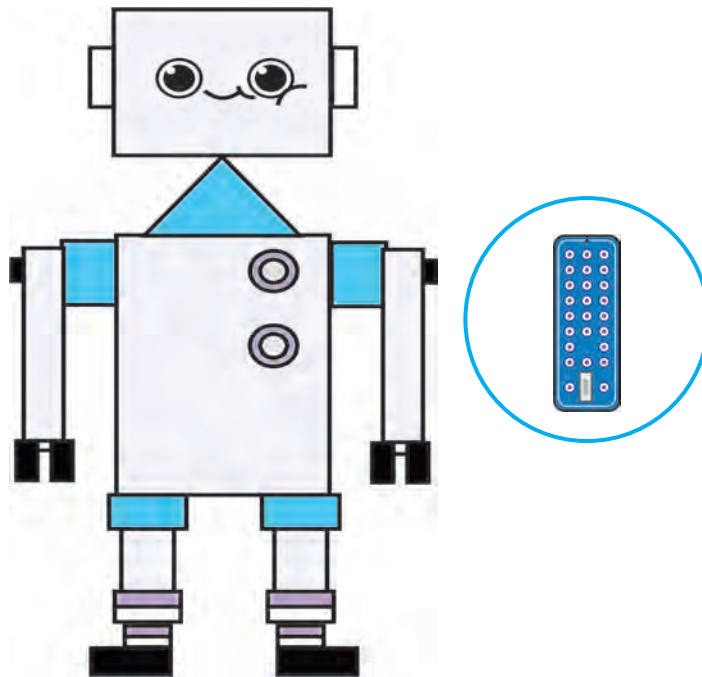


(१) सुनो और बताओ :

- (क) कहानी कौन सुनाती हैं?
- (ख) रानी परी के पंख कैसे हैं?
- (ग) तुमने छुट्टियों में क्या-क्या किया?
- (घ) परियाँ हमें छोड़कर कहाँ उड़ जाती होंगी?



(२) चित्र देखकर तीन-चार वाक्य बोलो :



(३) नीचे दिए गए संयुक्ताक्षरवाले शब्दों से वाक्य बनाकर पढ़ो :

प्यारी पुस्तक गुच्छा छुट्टियाँ



(४) कविता की पंक्तियों का उचित क्रम लगाकर लिखो :

- (च) तितली बनकर हैं उड़ जातीं। -
- (छ) मुझे कहानी खूब सुनातीं। -
- (ज) हुआ सवेरा माँ जगाती। -
- (झ) परियों की है रानी आती। -



(५) अंत्याक्षरी की कड़ी पूरी करो :

रानी				
	नमन			
पंख				
	खीरा			



(६) उचित स्थान पर विरामचिह्न लगाकर लिखो : (। ?)

- (ट) सागर में पानी किसने भेजा
नदियों ने जी नदियों ने
- (ठ) मेरी प्यारी गुफा मेरा स्वागत करो
तुम शांत क्यों हो



बातचीत



समाचारपत्र में छपे
छायाचित्रों के बारे में
बताओ।



तुम परी होतीं/होते
तो क्या-क्या
करतीं/करते?

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी कराएँ। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। विशेष विद्यार्थियों की सहायता करें।



४. स्वास्थ्य



एक वन में निमकी बिल्ली, फिरकी तितली, सिया खरगोश और चिन्नी हिरण जंबो भालू के पक्के दोस्त थे। निमकी, फिरकी, सिया और चिन्नी दिन भर यहाँ-वहाँ भागते-दौड़ते, उछल-कूद-मस्ती करते रहते। रोज शाम दो-तीन घंटे कुछ-न-कुछ खेल खेला करते। जंबो तो बस! जमकर खाता और किसी पेड़ की छाँव में पैर फैलाकर सो जाता।

जंबो की माँ उसे समझाया करतीं कि शरीर को स्वस्थ रखने के लिए उसके दोस्तों की तरह घूमना-फिरना, खेलना और अच्छा खान-पान करना बहुत जरूरी है। इस तरह एक जगह सुस्त पड़े रहने से शरीर बीमारियों का घर बन जाता है। माँ के लाख समझाने के बाद भी जंबो के कानों पर जूँ भी न रेंगती।

धीरे-धीरे जंबो का वजन बढ़ने लगा, तोंद भी निकलने लगी। अब वह उठकर चलने की कोशिश भी करता तो थोड़ी ही देर में हाँफने लगता। फिर तो हालत यह हो गई थी कि वह कुछ भी खाता तो अपच हो जाता। हारकर जंबो की माँ अस्पताल जाकर डॉ. लंबू जिराफ को ही साथ ले आई। जाँच-पड़ताल के बाद डॉ. जिराफ ने जंबो को कुछ दिनों



तक हल्का-फुल्का भोजन और फल खाने की सलाह दी और साथ ही सुबह-शाम बिना नागा किए कम-से-कम तीस मिनट घूमने और हल्की-फुल्की कसरत करने की सलाह दी।

डॉक्टर लंबू के जाने के बाद शाम को जंबो की माँ ने जंबो के साथ खेलने के लिए उसके सभी दोस्तों निमकी, फिरकी, सिया, चिन्नी को घर पर बुलाया और उन्हें रोज जंबो के साथ खेलने का आग्रह किया। फिर उसके दोस्त रोज ही उसके साथ खेलने आ जाते। वह दोस्तों के साथ थोड़ा-बहुत खेलने लगा।

अध्यापन संकेत : उचित आरोह-अवरोह के साथ कहानी का वाचन करके सुनाएँ। विद्यार्थियों से उचित विराम, उतार-चढ़ाव के साथ एक-एक परिच्छेद का वाचन कराएँ। उन्हें इस कहानी की घटनाओं पर बोलने का अवसर दें। 'शब्दसमूह के लिए एक शब्द' इस संकल्पना को विविध उदाहरण देकर समझाएँ। अनुभव की गई घटनाओं के बारे में जानकारी पाने के लिए समूह में संवाद करने के लिए कहें। 'भोजन और स्वास्थ्य' इस विषय पर भाषण देने के लिए कहें।

माँ उसके संतुलित खान-पान का ध्यान रखती।

रोज पौष्टिक खाने और नियमित कसरत से जंबो के चेहरे की ताजगी बढ़ गई थी। वह खुश भी रहने लगा और उसकी बढ़ी हुई तोंद भी अंदर चली गई थी। अपनी सुंदरता और सेहत के लिए दूसरों से मिली प्रशंसा सुनकर अब जंबो फूला न समाता। अब तो वह दौड़ में अपने दोस्तों को भी हराने लगा था।

जंबो को खुश और स्वस्थ देख माँ ने

इस बार उसके जन्मदिन पर वन के सारे प्राणियों के बच्चों को घर पर बुलाया। सभी ने हल्के-फुल्के भोजन के साथ नाच-गाने और मस्ती में सारा दिन साथ-साथ बिताया।

जन्मदिन का उत्सव खत्म होने पर घर की ओर विदा लेते जंबो के दोस्तों को जंबो और उसकी माँ ने धन्यवाद दिया।

अब जंबो की समझ में आ गया था कि स्वास्थ्य ही जीवन की सबसे बड़ी पूँजी है।



पढ़ो और समझो :



बकरा पत्ते खाता है।

बकरी दूध देती है।



मोर नाचता है।

मोरनी दाना चुगती है।



बैल खेत जोतते हैं।

गाय दूध देती है।



लड़का फुटबॉल खेलता है।

लड़की हॉकी खेलती है।



नये शब्द : स्वस्थ = निरोगी; छाँव = छाया; तोंद = बढ़ा हुआ पेट; पूँजी = धन।

अध्यापन संकेत : दी गई पाठ्यसामग्री का विद्यार्थियों से वाचन कराएँ। 'लिंग' शब्द की संकल्पना स्पष्ट करते हुए स्त्रीलिंग और पुल्लिंग शब्द ढूँढ़ने के लिए कहें। शब्द-चित्रकार्ड का उपयोग करें। एक तालिका में पुल्लिंग एवं स्त्रीलिंग शब्द अलग-अलग लिखने के लिए कहें और समूह में चर्चा करवाएँ। संयुक्ताक्षरवाले शब्दों को सही उच्चारण के साथ पढ़वाएँ। विशेष विद्यार्थियों के उच्चारण, लेखन में सहायता करें।

आओ करें



(१) सुनो और बताओ :

- (क) जंबो के दोस्त कौन-कौन थे?
- (ख) माँ जंबो को क्या समझाती थीं?
- (ग) तुम स्वस्थ रहने के लिए क्या-क्या करते हो?
- (घ) घास खाने वाले प्राणी कौन-कौन-से हैं?



(२) चित्र देखकर तीन-चार वाक्य बोलो :



(३) पढ़ो और ऐसे अन्य शब्दयुग्म बताओ :

यहाँ-वहाँ	दौड़ते-भागते	दो-तीन
घूमना-फिरना	धीरे-धीरे	फल-फूल



(४) रिक्त स्थान की पूर्ति करके वाक्य पूर्ण लिखो :

- (च) जंबो पेड़ की छाँव में सोया करता। (खाकर/पैर फैलाकर)
- (छ) धीरे-धीरे जंबो का बढ़ने लगा। (वजन/कद)
- (ज) माँ उसके संतुलित का ध्यान रखती। (खेल-कूद/खान-पान)
- (झ) स्वास्थ्य ही जीवन की सबसे बड़ी है। (कुँजी/पूँजी)



(५) घटनाओं का उचित क्रम लगाकर वाक्य पुनः लिखो :

- (ट) माँ डॉक्टर लंबू जिराफ को साथ ले आई।
 (ठ) जंबो की तोंद भी निकलने लगी थी।
 (ड) जंबो बिना सोचे-समझे जमकर खाता।
 (ढ) दोस्तों को धन्यवाद दिया।

१.
 २.
 ३.
 ४.



(६) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखो :

(जलचर, उभयचर, थलचर, नभचर)

- (त) जल में रहने वाले प्राणी :
 (थ) आसमान में उड़ने वाले प्राणी :
 (द) जल और जमीन दोनों पर रहने वाले प्राणी :
 (ध) जमीन पर रहने वाले प्राणी :



बातचीत



कोई एक बालकथा पढ़कर उसके अपरिचित शब्दों पर चर्चा करो।



इस कहानी का मुख्य संदेश बताओ।

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी कराएँ। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। बोर्ड पर लिखकर कृतियों का अभ्यास कराएँ।



सुनो और समझो :

५. परिपाठ



- अमिता** : (मुस्कराते हुए) अरे आकाश! आज फिर देर से आए?
- आकाश** : समय पर नहीं जगा। इसलिए आने में देर हो गई। परिपाठ तो रोज होता है।
- अमिता** : अरे नहीं! परिपाठ तो हमें अनुशासन और समय की पाबंदी सिखाता है।
- रॉबर्ट** : आश्चर्य है कि तुम समय का मूल्य नहीं समझते!
- नसीम** : हाँ, सही कहा तुमने। परिपाठ में हम सब एक साथ मिलते भी तो हैं।
- श्रुति** : इससे साथ में मिलकर काम करने की भावना और आत्मविश्वास; दोनों बढ़ते हैं।
- हरप्रीत** : देखो, परिपाठ में हम राष्ट्रगान, राज्यगीत, प्रार्थना का गायन और प्रतिज्ञा का वाचन करते हैं। ये हमें देशभक्ति और एकाग्रता का पाठ सिखाते हैं।

अध्यापन संकेत : उचित उच्चारण करते हुए संवाद का वाचन कराएँ। परिपाठ में उपक्रम हेतु विद्यार्थियों से दिवस विशेष, सुवचन, त्योहार आदि की तैयारी कराएँ। इन उपक्रमों में प्रत्येक विशेष विद्यार्थी को भी प्रतिभागी होने के लिए प्रोत्साहित करें। परिपाठ का संचालन करने के लिए मुद्दों को लिखने के लिए कहें। पाठशाला के पुस्तकघर के नियम समझाएँ और पुस्तकों का नियमित रूप से वाचन करने के लिए कहें। 'समय का मूल्य' विषय पर विद्यार्थियों में आपस में चर्चा करवाएँ। राष्ट्रीय प्रतीकों से विद्यार्थियों को अवगत कराएँ। पाठ में आए विरामचिह्नों को समझाएँ और उनके नाम लिखवाएँ। उनका उपयोग करते हुए वाक्य लिखवाएँ। पठन गतिविधि में सहभागी होने के लिए तथा अपना अनुभव बताने के लिए प्रतिभागियों से कहें। विशेष विद्यार्थियों को एक-एक करके अनुभव बताने के लिए कहें।

रॉबर्ट : हमें नित्य नई कहानी भी तो सुनने को मिलती है।

आकाश : समझा! परिपाठ रोज की दिनचर्या ही नहीं, पढ़ाई का महत्वपूर्ण हिस्सा भी है।

शबाना : प्रतिदिन अधिक-से-अधिक जानकारियाँ भी हमें एक साथ मिल जाती हैं।

शिक्षक : बहुत अच्छा बच्चो! परिपाठ के लिए समय पर आना चाहिए।

सभी विद्यार्थी : धन्यवाद गुरु जी! अब हम प्रतिदिन समय पर परिपाठ में उपस्थित रहेंगे।



प्रयोग पढ़ो और समझो :

1	सामग्री : टब, पानी, नमक, कंकड़ और प्लास्टिक का टुकड़ा। पानी से भरे टब में थोड़ा नमक डालो। थोड़े समय बाद पानी में नमक दिखाई नहीं देता। क्या नमक पानी में घुल गया है? पानी से भरे टब में प्लास्टिक का टुकड़ा डालो। प्लास्टिक का टुकड़ा पानी पर तैरने लगता है। पानी से भरे टब में कुछ कंकड़ डालो। कंकड़ टब के तल में बैठ जाते हैं। वाह! अच्छा प्रयोग रहा।	?
,		!

नये शब्द : पाबंदी = नियम; मूल्य = महत्व, कीमत; एकाग्रता = ध्यानपूर्वक; हिस्सा = भाग।

अध्यापन संकेत : विद्यार्थियों को उपर्युक्त परिच्छेद ध्यानपूर्वक सुनने के लिए कहें। परिच्छेद में आए विरामचिह्नों से परिचय कराएँ। पूर्णविराम, अल्पविराम, प्रश्नचिह्न और विस्मयादिबोधक चिह्न का प्रयोग कब और कहाँ किया जाता है, यह समझाएँ। अन्य छोटे-छोटे परिच्छेद देकर उन्हें चारों विरामचिह्नों को उचित जगह पर लगाने के लिए कहें। ऊपर दिए गए परिच्छेद का विरामचिह्नों सहित अनुलेखन कराएँ।

आओ करें



(१) सुनो और बताओ :

- (क) परिपाठ में हम क्या-क्या सीखते हैं?
- (ख) पढ़ाई का महत्त्वपूर्ण हिस्सा क्या है?
- (ग) अनुशासन से कौन-से लाभ होते हैं?
- (घ) परिपाठ में क्या-क्या प्रस्तुत किया जा सकता है?



(२) चित्र देखकर तीन-चार वाक्य बोलो :



(३) पढ़ो, समझो और बूझो :

- (च) सीधी रहे तो पानी पिलाए, उल्टा लिखे तो दीन कहलाए।
- (छ) सीधी होकर वह बहती है, उल्टा लिखे तो वाह होती है।
- (ज) एक थाल मोती से भरा, सबके सिर पर औँधा धरा।
सबके ऊपर थाल फिरे, पर मोती नीचे एक न गिरे॥



(४) पाठ के आधार पर वाक्य पूर्ण करो :

- (ट) नई कहानी भी तो
- (ठ) तुम समय का मूल्य
- (ड) ये हमें देशभक्ति और
- (ढ) परिपाठ तो हमें अनुशासन और



(५) समाचारपत्र से दिवस विशेष तथा प्रमुख समाचार पढ़कर परिपाठ में उनकी प्रस्तुति करो।



(६) दिए गए वाक्यों में उचित स्थान पर विरामचिह्न लगाकर लिखो :

- (त) हाँ अमिता समय पर नहीं जगा
- (थ) अरे आकाश आज फिर देर से आए
- (द) लाल नीली पीली परियाँ उड़तीं
- (ध) पानी से भरे टब में क्या डाला



परिपाठ में सुनी किसी एक कहानी का आरंभ और अंत बताओ।



आलसी जंबो, डॉ. जिराफ की सलाह, जंबो का जन्मदिन इन मुद्दों पर चर्चा करें।

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी कराएँ। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। विशेष विद्यार्थियों की सहायता करें।



सुनो और समझो :

६. ऋतु



— अलका अग्रवाल



ग्रीष्म ऋतु में लू चलती है,
सूरज तेज चमकता।
पेड़ों की छाया में बैठें,
पसीना खूब टपकता।

वर्षा ऋतु में बादल जब,
टप-टप जल बरसाते।
छतरी लेकर निकले बच्चे,
छप-छप करते जाते।



अध्यापन संकेत : उचित आरोह-अवरोह, हावभाव के साथ कविता गाकर सुनाएँ। कविता का समूह में गायन एवं वाचन कराएँ। प्रश्नोत्तर द्वारा विद्यार्थियों को ऋतुओं की जानकारी दें। कविता में आए तुकांत शब्दों की जोड़ियाँ मिलाकर लिखवाएँ। कविता में आए शब्दों के समानार्थी शब्दों को समझाएँ। शब्दकोश की सहायता से नये शब्दों के अर्थ ढूँढ़ने के लिए कहें। 'मौसम और ऋतु' पर चर्चा करें। मौसम के अनुरूप आने वाली सब्जियों की विद्यार्थियों को जानकारी दें। भोजन में सभी प्रकार की सब्जियों का समावेश करने को कहें। अचानक हुई वर्षा के बारे में अधिक जानने के लिए दूसरों से संवाद करने के लिए प्रेरित करें। वर्षा में भीगने के अनुभव को उनके अपने शब्दों में लिखवाएँ।

शीत ऋतु में बढ़े जो ठंडक,
कपड़े गरम हैं भाते।
मूँगफली, गुड़, हरी सब्जियाँ,
खूब मजे से खाते।



शुभकामना पत्र पढ़ो और अनुलेखन करो :



प्रिय मित्र/सहेली
शौर्य/सुकांता,
सप्रेम नमस्ते!

मुझे यह जानकर बहुत प्रसन्नता हुई कि तुमने जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया है। इस अवसर पर सबसे पहले तुम्हारा अभिनंदन! तुम हमेशा ही अच्छे चित्र बनाते/बनाती हो। हम सभी मित्रों/सहेलियों को इस बात पर गर्व है। हमें विश्वास है कि आगे चलकर तुम एक श्रेष्ठ चित्रकार बनोगे/बनोगी।
पुनः एक बार हार्दिक बधाई!
माता जी तथा पिता जी को मेरी ओर से प्रणाम कहना। भाई-बहन को बहुत-सा प्यार।
तुम्हारा मित्र/तुम्हारी सहेली,
अक्षय/अक्षता

नये शब्द : लू चलना = गर्म हवा चलना; शीत = ठंड; स्तरीय = स्तर पर; श्रेष्ठ = महान।

अध्यापन संकेत : पत्र का उचित आरोह-अवरोह के साथ वाचन करें और पत्र कौन लिख रहा है, किस कारण लिख रहा है, इस प्रकार के प्रश्न पूछकर बधाई पत्र के प्रारूप को समझाएँ। पत्रलेखन में प्रयुक्त विराम चिह्नों का एक साथ परिचय कराएँ। जैसे- पूर्णविराम, अल्पविराम तथा विस्मयादि बोधक। विद्यार्थियों को अन्य उचित विषय देकर उपर्युक्त शब्दों और वाक्यांशों का उपयोग करके शुभकामनाएँ व्यक्त करने के लिए कहें। बधाई पत्र लिखवाएँ। अल्पविराम और विस्मयादिबोधक विरामचिह्नों की पहचान कराने के लिए भाषाई खेलों का उपयोग करने के लिए कहें। पत्र के प्रारूप को बोर्ड पर लिखकर प्रत्येक मुद्दे पर चर्चा करें। ऐसे ही वाक्यों का श्रुतलेखन करने के लिए कहें।

आओ करें



(१) सुनो और बताओ :

- (क) लू किस ऋतु में चलती है?
- (ख) लोग गरम कपड़े कब पहनते हैं?
- (ग) ग्रीष्म ऋतु में राहत पाने के लिए तुम क्या-क्या करते हो?
- (घ) शीत ऋतु में तुम कौन-कौन-से त्योहार (उत्सव) मनाते हो?



(२) चित्र देखकर तीन-चार वाक्य बोलो :



(३) पढ़ो और समझो। संत कबीर के अन्य दो दोहे खोजो और अपरिचित शब्दों के अर्थ बताओ :

बड़ा हुआ तो क्या हुआ, जैसे पेड़ खजूर।

पंथी को छाया नहीं, फल लागे अति दूर॥ - संत कबीर



(४) कविता में आए तुकांत शब्द ढूँढो और उनका प्रयोग करते हुए अन्य तुकांत पंक्तियाँ बनाओ :

.....

.....

.....

.....



(५) निम्नलिखित शब्दों के अनुसार अन्य शब्द लिखो :

जैसे : पर, घर, डर, कर

काला -

पैसे -

ओर -

घड़ी -

गान -



(६) दिए गए शब्दों के समानार्थी शब्द पहेली से ढूँढ़कर लिखो :

छाँ	पा	न
व	सू	नी
र्य	वृ	क्ष

जल =

छाया =

सूरज =

पेड़ =



कविता के चित्रों की
सहायता से अर्थ
समझकर कविता का
आशय बताओ।



ग्रीष्म ऋतु से संबंधित
अपने अनुभव के
आधार पर एक कहानी
बनाकर सुनाओ।

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी कराएँ। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। विशेष विद्यार्थियों की सहायता करें।



चित्र का निरीक्षण करो और अंतर बताओ :



अध्यापन संकेत : ऊपर दिए गए चित्रों का ध्यान से निरीक्षण करने के लिए कहें। चित्र के विषय में ३-४ वाक्यों में जानकारी देने के लिए कहें। दोनों चित्रों में आठ अंतर हैं। विद्यार्थियों को वे अंतर ढूँढ़ने के लिए कहें। समूह बनाकर 'अंतर पहचानो' का खेल खेलवाएँ। सबसे पहले अंतर बताने वाले को शाबाशी दें। ऐसे ही अन्य चित्र देकर विद्यार्थियों की शब्द संपदा में वृद्धि करने का प्रयास करें। दिए गए चित्र से संबंधित कोई कहानी बनाकर कक्षा में सुनाने के लिए कहें। कहानी सुनाते समय बोली भाषा और मानक भाषा का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

पुनरावर्तन-१



(१) सुनो और बताओ :

- (क) तुम्हारी पाठशाला के पुस्तकालय के नियम बताओ।
- (ख) दो नभचर और दो जलचर प्राणियों के नाम बताओ।
- (ग) वर्षा में भीगने का अपना अनुभव सुनाओ।
- (घ) भोजन में तुम्हें क्या-क्या पसंद हैं?



(२) चित्र देखकर तीन-चार वाक्य बोलो :



(३) पढ़ो और पहेली बूझो :

एक पहाड़ चलता-फिरता,
तंबू उसके साथ।
महीनों तक न पानी पीता,
बूझो उसका नाम।

इसकी सूरत लाल-लाल है,
गोलमटोल है, गोल-गोल है।
चाहो तो सब्जी में डालो,
चाहे नमक लगाकर खा लो।



(४) पढ़ो, समझो और सूचना के अनुसार लिखो :

तालिका पूर्ण करो :

वचन

एकवचन	बहुवचन
तितली	
टुकड़ा	
पेड़	
	ऋतुएँ
बच्चा	
बात	

लिंग

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
	हिरणी
मित्र	
	नानी
राजा	
	बकरी
बेटा	



(५) भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर अपने मित्र/सहेली को शुभकामनाएँ देते हुए बधाई कार्ड तैयार करो।



(६) दिए गए प्रत्येक विरामचिह्न का प्रयोग करते हुए एक-एक वाक्य लिखो :

,

।

!

?

(च)

.....

(छ)

.....

(ज)

.....

(झ)

.....



पूर्वानुभव : देखो, सुनो और बताओ :

दूसरी इकाई

१. समझदारी



वे सब गाजर की टोकरी पर
एक साथ टूट पड़े।

जंगल में खरगोश घूम रहे थे।
एक टोकरी में गाजर दिखी।



पंक्ति में खड़े होकर बारी-बारी से प्रत्येक
विद्यार्थी ने एक-एक गाजर उठाई।

पाठशाला के मध्यावकाश में गाजरों की
टोकरी रखी थी।

विद्यार्थियों को एक-एक गाजर लेनी थी।

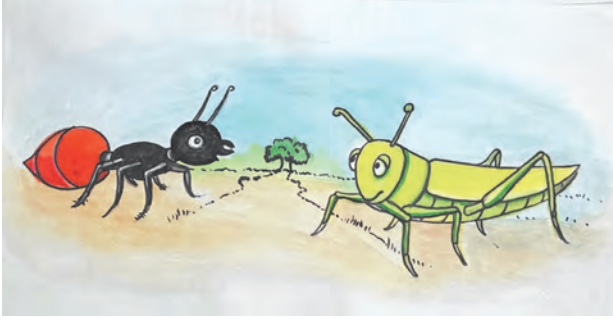


अध्यापन संकेत : विद्यार्थियों से चित्रों को ध्यान से देखने के लिए कहें। चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहा है, यह पूछें। इस चित्र का वर्णन करने के लिए कहें। नये-नये शब्दों का प्रयोग करने के लिए प्रेरित करें। प्रयुक्त नये शब्दों की सूची बनाने के लिए कहें। अन्य चित्रकथाएँ पढ़ने के लिए कहें। शब्द और चित्र के बीच संबंध बताकर आशय को समझने के लिए कहें। इस चित्रकथा में खरगोश और विद्यार्थियों के व्यवहार में उन्हें किसका व्यवहार सही लगा और क्यों? यह पूछें। चित्रों की पाठ्यसामग्री से संबंधित अन्य कहानी कक्षा में सुनाने के लिए कहें।



देखो, पढ़ो और सहवाचन करो :

२. चींटी और टिड्डा

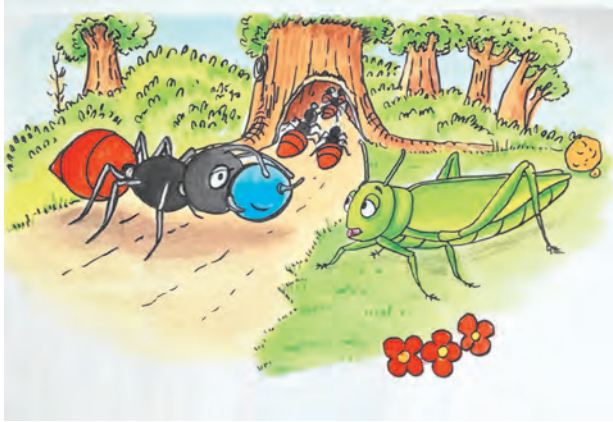


बहुत समय पहले एक जंगल में चींटियाँ और एक टिड्डा रहा करते थे। यह उन दिनों की बात है जब वर्षा का मौसम समाप्त होने वाला था।



चींटियों का एक परिवार भोजन इकट्ठा करने में व्यस्त था।

टिड्डा दूर से देख रहा था कि चींटियाँ अपने काम में बहुत ही व्यस्त नजर आ रही हैं।



टिड्डा वहीं पास में धूप सेंक रहा था। उसके मन में एक विचार आया। टिड्डे ने वहाँ जाकर चींटियों से पूछा, “धूप में तुम सभी क्या कर रही हो?”



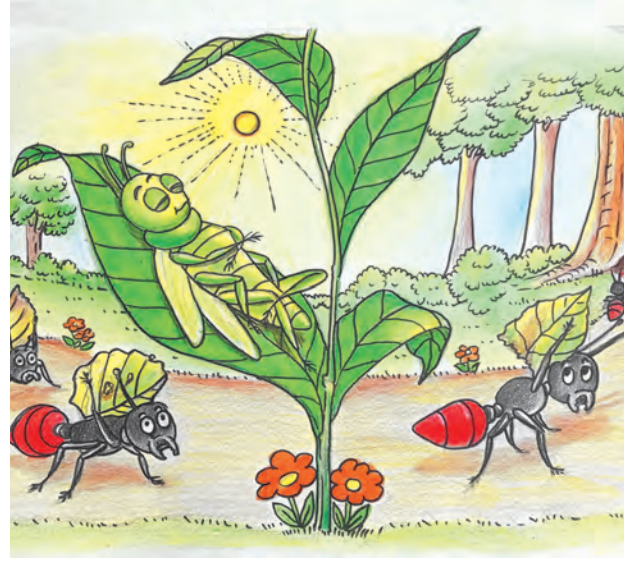
एक चींटी ने जवाब दिया, “हम ठंड के लिए भोजन जुटा रही हैं। तुम्हें भी भोजन का संग्रह करना चाहिए।”

अध्यापन संकेत : चित्रों का निरीक्षण करने के लिए कहें। चित्रों पर चर्चा कराएँ और वाक्यों का वाचन करवाएँ। प्रत्येक विद्यार्थी से चित्रों में दिखाए गए पात्रों के नाम पूछें। चित्रों के बारे में वे उचित जानकारी देते हैं या नहीं, यह देखें। चित्रों की क्रमशः जानकारी बताने के लिए कहें। अन्य चित्रकथाएँ पढ़ने को कहें। कीट-पतंगों के नाम बताने के लिए प्रेरित करें। पढ़ी हुई कहानी का सारांश तीन-चार वाक्यों में बताने के लिए कहें। जीवन में चींटी की तरह सजग एवं सतर्क रहने के लिए प्रेरित करें। परिश्रम का महत्त्व समझाएँ। इस तरह की अन्य चित्रकथाएँ पढ़कर कक्षा में बताने और उनके मुख्य बिंदुओं को साझा करने के लिए कहें।



चींटी की बात सुनकर टिड्डा हँसा और वहाँ से चला गया।

वह सूरज और तितलियों के पीछे भागने लगा। चींटियाँ अपना कार्य करती रहीं, दिन बीतते गए।



टिड्डे ने सुस्ती में ऐसे ही दिन बिताए।

टिड्डे ने एक दिन सुबह देखा कि जमीन बर्फ से ढकी है।



वह भोजन की तलाश में निकल पड़ा पर उसे कुछ नहीं मिला। उसे भूखे पेट ही अपना दिन गुजारना पड़ा।



अब उसे अपनी गलती समझ में आ गई। वह पछताकर सोचने लगा कि चींटियाँ सही थीं। टिड्डे ने निश्चय किया कि अब वह अपना हर काम समय से पूर्ण करेगा।

अध्यापन संकेत : विद्यार्थियों को 'समय का पालन करने' संबंधी अपना अनुभव बताने के लिए कहें। विद्यार्थियों को समय पर काम न करने से टिड्डे के साथ क्या हुआ, इसपर समूह में चर्चा करवाएँ। उनसे चित्रकथा अपने शब्दों में बताने के लिए कहें। चित्रकथा की घटनाओं को अपने अनुभवों से जोड़ने को कहें। कक्षा में उनको चित्रकथा पर समुचित संवाद प्रस्तुत करने के लिए कहें। प्रत्येक विद्यार्थी से उपर्युक्त घटना पर आधारित अलग-अलग वाक्य बनाने के लिए कहें तथा वाक्यों को सही क्रम में लिखवाएँ। चित्रकथा में घटित घटना के बारे में तीन-चार प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित करें। कहानी का मुख्य उद्देश्य बताने के लिए कहें।



देखो, पहचानो और चर्चा करो :

३. पंछी



— सरस्वती कुमार 'दीपक'

उड़ना मुझे सिखा दे पंछी,
दुनिया मुझे दिखा दे पंछी!

कैसे पर फैलाकर उड़ता,
इसकी रीत बता दे पंछी!



अपने पंखों पर बैठाकर,
दूर गगन पहुँचा दे पंछी।

जहाँ ये बादल तैर रहे हैं,
उनकी सैर करा दे पंछी।



अध्यापन संकेत : उचित हाव-भाव, लय-ताल के साथ कविता गाकर सुनाएँ और दोहरवाएँ। कठिन शब्दों के उच्चारण का अभ्यास कराएँ। कविता का मुख्य विचार क्या है, यह विद्यार्थियों से पूछें। कविता के साथ अपने अनुभव जोड़ने के लिए कहें। किसी पंछी के साथ अपना अनुभव बताने के लिए कहें। तुकांत शब्दों को ढूँढ़कर उनकी सूची लिखाकर उनका संग्रह करने के लिए कहें। कविता के आशय पर चर्चा करें। ५-६ वाक्यों में आशय लिखवाएँ। विशेष विद्यार्थियों की उच्चारण में सहायता करें।

मीठी बोली बोल-बोलकर,
आजा, मन बहला दे पंछी।

कहाँ रात की रानी रहती,
इतना मुझे बता दे पंछी।

चंदा मामा की नगरी की
डगरी, तू दिखला दे पंछी।



पढ़ो, लिखो और समझो :

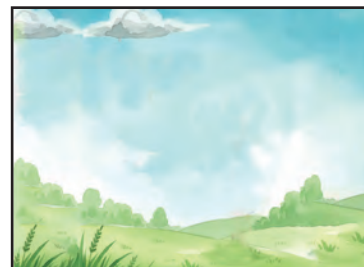
चंद्रमा



सूर्य



आकाश



पृथ्वी



पेड़



फूल



नये शब्द : दुनिया = संसार; पर = पंख; रीत = पद्धति; डगरी = छोटा रास्ता।

अध्यापन संकेत : चित्र दिखाकर उनके ऊपर दिए गए शब्द पढ़वाएँ। विद्यार्थियों के समूह बनाएँ। एक समूह में शब्द देकर दूसरे समूह से समानार्थी शब्द बनाने का खेल खेलवाएँ। प्रत्येक समूह को समानार्थी शब्द बताने का अवसर दें। इन शब्दों के अर्थ सहपाठी की सहायता से शब्दकोश में खोजने के लिए कहें। उनकी सूची बनवाकर संग्रह करने के लिए कहें। विद्यार्थियों को जिज्ञासा शमन हेतु प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित करें। आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें। उपरोक्त शब्द और चित्रों के आधार पर प्रत्येक के लिए दो वाक्य लिखवाएँ और पढ़वाएँ।

आओ करें

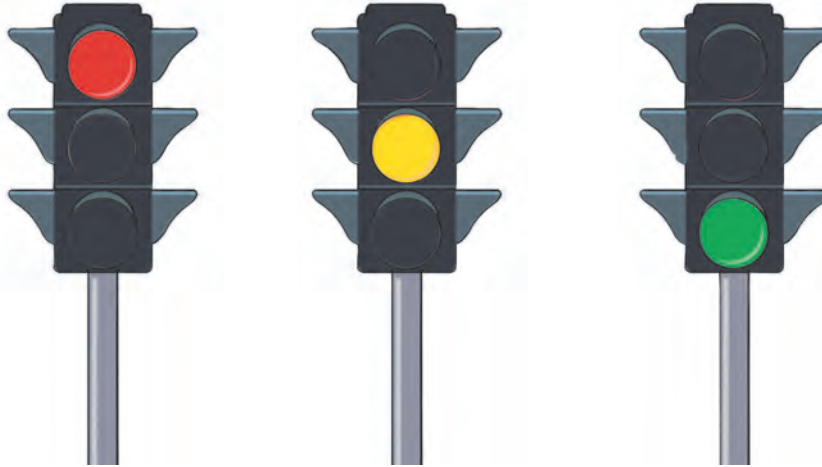


(१) सुनो और बताओ :

- (क) कवि कहाँ की सैर करना चाहता है?
- (ख) पंछी की बोली कैसी है?
- (ग) तुम्हें किस पंछी की बोली अच्छी लगती है, क्यों?
- (घ) रात के समय आकाश में क्या-क्या दिखाई देता है?



(२) निम्न चित्र देखो और चित्र के विषय में पाँच वाक्य बोलो :



(३) पढ़ो, समझो और संक्षेप में बताओ :

भारत के दूसरे राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन थे। स्वतंत्रता के बाद भारत के विकास के लिए उन्होंने समर्पण भाव से कार्य किया। ५ सितंबर उनका जन्मदिन है। इसे 'शिक्षक दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

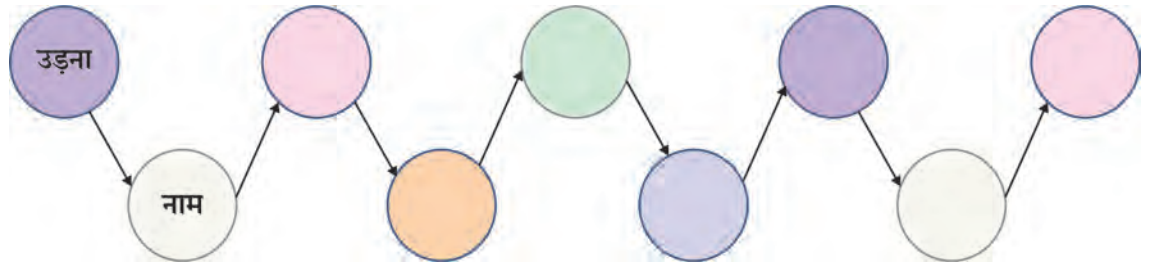


(४) एक-दो शब्दों में उत्तर लिखकर विरामचिह्न सहित वाक्य पूर्ण करो :

- (च) पंछी इसकी रीत बताता है
- (छ) कवि इनपर बैठकर गगन तक पहुँचना चाहता है
- (ज) आसमान में ये तैर रहे हैं
- (झ) कैसी बोली से पंछी मन बहलाएगा



(५) अंत्याक्षरी खेलते हुए शब्द के अंतिम अक्षर से नया अर्थपूर्ण शब्द लिखो :



(६) टोकरी में रखे फलों को उनके लिंग के अनुसार पहचानो और लिखो :

पुल्लिंग
जैसे - आम

.....
.....
.....



स्त्रीलिंग
जैसे - लीची

.....
.....
.....



अपने प्रिय पक्षी के बारे में बताओ।



कवि पंछी से क्या-क्या चाहता है, इसे कविता के आधार पर बताओ।

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी कराएँ। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। विशेष विद्यार्थियों की कृतियाँ करने में सहायता करें।



सुनो, दोहराओ और चर्चा करो :

४. भलाई



बहुत पहले की बात है। नंद देश के राजा ने जान-बूझकर एक बड़ा-सा पत्थर रास्ते के बीचोबीच रखवा दिया और राजा वहीं पास की बड़ी झाड़ी में छुप गया। वह यह देखना चाहता था कि आखिर कौन इस पत्थर को रास्ते से हटाता है।

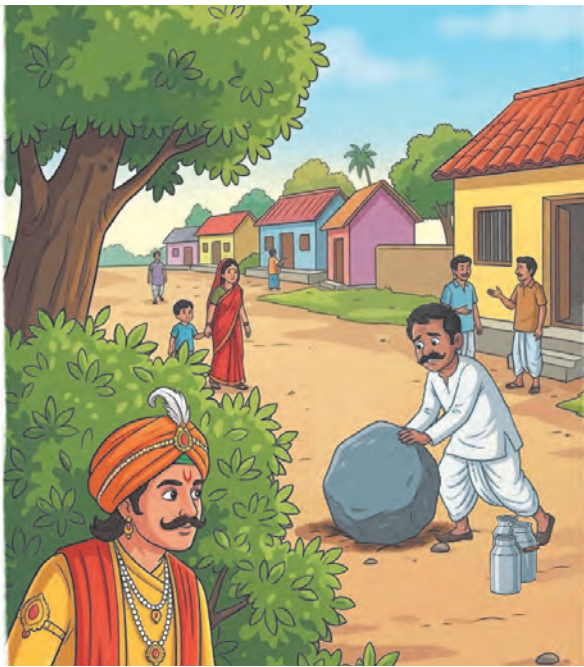
उस रास्ते से बहुत लोग गुजरे। किसी ने भी उस पत्थर को हटाना ठीक नहीं समझा। यहाँ तक कि राजा के दरबार के बहुत से मंत्री और धनी व्यापारी भी उस रास्ते से गुजरे



लेकिन किसी ने भी उस पत्थर को वहाँ से नहीं हटाया। उल्टे उन्होंने राजा को ही इस बाधा के लिए जिम्मेदार ठहराया।

बहुत से लोगों ने सड़क को साफ न रखने के लिए राजा पर आरोप लगाए लेकिन उनमें से किसी ने भी पत्थर को रास्ते से हटाने के लिए कुछ नहीं किया।

तभी रामलाल नामक दूधवाला रास्ते से गुजरा। पत्थर के पास पहुँचने पर उसने दूध के कैन नीचे रखे और पत्थर को सड़क के किनारे धकेलने का प्रयास किया। काफी परिश्रम के बाद उसे सफलता मिली।



अध्यापन संकेत : इस कहानी को कक्षा में सुनाएँ। कहानी का सारांश ३ से ४ वाक्यों में बताने के लिए विद्यार्थियों से कहें। पढ़े हुए पाठ की मुख्य घटना और उसके क्रम और पात्रों के बारे में विद्यार्थियों से पूछें। कक्षा में एक-एक विद्यार्थी से कहानी की कुछ पंक्तियों का वाचन कराएँ। पाठ में मोटे टाइपवाले शब्दों को पढ़ें। ये 'संज्ञा' शब्द हैं। संज्ञा के बारे में विद्यार्थियों से चर्चा करें और उसके सभी प्रकारों का केवल परिचय कराएँ। विद्यार्थियों से 'श्रम का सम्मान' करने के बारे में चर्चा करें। सुनी हुई कहानी को समूह में प्रस्तुत करने के लिए कहें। उपर्युक्त कहानी में से महत्वपूर्ण शब्द और वाक्य रेखांकित करने के लिए कहें। समाचारपत्र में पढ़े अपरिचित तथा परिचित शब्दों की सूची बनवाएँ।

जब दूधवाला पत्थर उठाने लगा तो उसने देखा कि सड़क पर पड़े हुए बड़े पत्थर के नीचे एक थैली पड़ी हुई है।

उसने देखा कि थैली में सोने के कई सिक्के और एक कागज था। उस कागज पर लिखा हुआ था कि सोने के सिक्के उस व्यक्ति के लिए हैं, जिसने सड़क से पत्थर हटाया है।

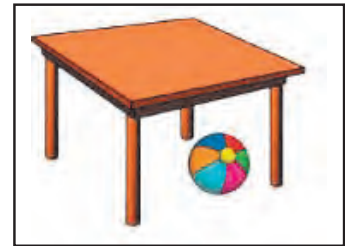


पढ़ो और समझो :



मेज के ऊपर सेब है।

मेज के नीचे गेंद है।



सूरज दिन में दिखता है।

चंद्रमा रात में दिखता है।



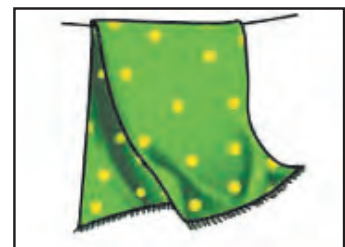
लाल मोमबत्ती मोटी है।

पीली मोमबत्ती पतली है।



नीला तौलिया गीला है।

हरा तौलिया सूखा है।



अध्यापन संकेत : विद्यार्थियों से चित्रों का निरीक्षण करने के लिए कहें। उन्हें प्रश्न पूछकर विरुद्धार्थी शब्द समझाएँ। चित्रों की सहायता से अर्थ समझने के लिए कहें। कुछ अन्य शब्द देकर उनके विरुद्धार्थी शब्दों की सूची बनवाएँ।

आओ करें



(१) सुनो और बताओ :

- (क) रास्ते में पत्थर रखवाकर राजा कहाँ छुप गया?
- (ख) रास्ते से कौन-कौन गुजरे?
- (ग) तुम्हें रास्ते में गड़ढा दिखाई दे तो तुम क्या करोगे?
- (घ) तुम्हारे साथ घटित किसी प्रसंग को तुम अपने मित्र को कैसे बताओगे?



(२) चित्र देखकर पाँच वाक्य बोलो :



(३) पढ़ो, समझो और अनुलेखन करो :

- (च) “अपने आपको कमजोर समझना सबसे बड़ी कमजोरी है।” – डॉ. अब्दुल कलाम
- (छ) “सच्चाई और अहिंसा ही जीवन का मार्ग है।” – महात्मा गांधी
- (ज) “मन और शरीर से मजबूत बनो।” – सुब्रह्मण्यम भारती
- (झ) “कोई काम छोटा या बड़ा नहीं होता।” – सरदार वल्लभभाई पटेल



(४) कोष्ठक में दिए गए शब्दों के आधार पर वाक्य बदलकर लिखो :

- (ट) रास्ते से गुजरा। (दूधवाला/दूधवाली)
- (ठ) दूध का नीचे रखा (कँन/कैन)
- (ड) उस रास्ते से गई। (लड़का/लड़की)
- (ढ) पास की झाड़ी में छुप गया। (राजा/व्यापारी)



(५) कहानी में आए शब्दों के आधार पर पहली हल करो :

कि	जा	थै	री
ली	क	ई	न
त्थ	सा	रा	ला
भ	र	प	टो



(६) पुस्तकघर से अपनी पसंदीदा पुस्तक लेकर पढ़ो। उसके मुखपृष्ठ, मलपृष्ठ और शीर्षक पर चर्चा करके अपने विचार व्यक्त करो।



इस कहानी में घटी हुई घटनाओं का अनुक्रम बताओ।



पढ़ी हुई कहानी की विषयवस्तु पर चर्चा करके कोई अन्य उचित शीर्षक सुझाओ।

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी कराएँ। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। विशेष विद्यार्थियों को सहायता करें।



देखो, पहचानो और चर्चा करो :

५. हमारे राष्ट्रीय त्योहार



हमारा देश त्योहारों का देश है। जिस तरह होली-दीपावली सांस्कृतिक-सामाजिक त्योहार हैं उसी तरह स्वतंत्रता दिवस एवं गणतंत्र दिवस हमारे राष्ट्रीय त्योहार हैं। देश के अमर बलिदानी सपूतों के अथक प्रयासों से हमारा देश १५ अगस्त १९४७ को स्वतंत्र हुआ। यह दिन स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता है।

आजादी प्राप्त होने के बाद देश का संविधान बनाया गया। यह संविधान २६

जनवरी १९५० को देश में लागू किया गया। इस दिन को 'गणतंत्र दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

१५ अगस्त को देश के प्रधानमंत्री लाल किले पर ध्वजारोहण करते हैं। गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रपति कर्तव्यपथ पर तिरंगा झंडा फहराते हैं। ये त्योहार हमारी आजादी और गौरव के प्रतीक हैं। देश के प्रत्येक राज्य, जिले, गाँव-शहर, विद्यालय जैसे सभी स्थानों पर इन

अध्यापन संकेत : विद्यार्थियों से पाठ का वाचन कराएँ। १५ अगस्त और २६ जनवरी के महत्त्व पर प्रश्नोत्तर के माध्यम से चर्चा करें। तिरंगे में रंग भरने के लिए कहें। राष्ट्रीय त्योहारों के अलावा मनाए जाने वाले अन्य उत्सवों और पर्वों के नाम पूछें। पाठ के आशय पर अपने विचार प्रकट करने के लिए कहें। त्योहारों पर दी जाने वाली शुभकामनाओं एवं बधाई के कार्ड्स दिखाएँ। विभिन्न प्रकार के शुभकामना कार्ड, बधाई कार्ड बनवाएँ। उनकी प्रदर्शनी लगवाएँ। विद्यार्थियों को विविध त्योहार, जयंती, दिवस विशेष के अवसर पर अनुभव साझा करने हेतु मौखिक प्रस्तुति देने के लिए प्रेरित करें। पाठ में आए समुच्चयबोधक शब्दों पर चर्चा करें। पाठ की विषयवस्तु से मुख्य विचार या संदेश क्या मिलता है, बताने के लिए कहें। 'मेरा देश' विषय पर भाषण देने के लिए कहें।

त्योहारों को धूमधाम से मनाते हैं।

यह आजादी हमें बड़े संघर्षों के बाद मिली है। इसके लिए असंख्य देशभक्तों ने अपने प्राणों की आहुति दी है। उनके बलिदान को हमें सदैव याद रखना चाहिए। हमारे तिरंगे का सम्मान करना चाहिए। प्लास्टिक या कागज के राष्ट्रीय झंडे इधर-उधर फेंकने नहीं चाहिए। राष्ट्रीय त्योहारों के अवसरों पर ध्वज वंदन के समय सभी को समय पर अवश्य उपस्थित रहना चाहिए।



सूचनापट्ट पढ़ो और समझो :

* वार्षिकोत्सव *

सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि हमारी पाठशाला में प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी वार्षिकोत्सव के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। ये प्रतियोगिताएँ दि. १४ दिसंबर से १६ दिसंबर तक आयोजित की जाएँगी। इनमें खेल-कूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम और बौद्धिक स्पर्धा, चुटकुले आदि का भी आयोजन किया गया है। सभी विद्यार्थी अपनी रुचि की प्रतियोगिता के लिए अपना नाम अपने कक्षा अध्यापक के पास दें।

स्थान : पाठशाला का मैदान

समय : प्रातः १० से सायं ५ बजे तक

प्रधानाचार्य,
आदर्श विद्यालय, नागपुर

नये शब्द : अथक = बिना थके; आजादी = स्वतंत्रता; संघर्ष = प्रयत्न; सायं = शाम।

अध्यापन संकेत : विद्यार्थियों को सूचनापट्ट के बारे में समझाएँ। उसका वाचन कराएँ। विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें। विशेष विद्यार्थियों को कार्यक्रम में भाग लेने के लिए कहें। उन्हें चुटकुले सुनाने के लिए कहें तथा विभिन्न कार्यक्रमों हेतु भाषण तैयार करने के लिए प्रेरित करें। दिए गए अपरिचित शब्दों के सरल परिचित शब्द ढूँढ़ें और उन्हें सूचीबद्ध करें।

आओ करें



(१) सुनो और बताओ :

- (क) हमारे देश के प्रमुख राष्ट्रीय त्योहार कौन-कौन-से हैं?
- (ख) राष्ट्रीय त्योहार और तिरंगे का सम्मान किस प्रकार करना चाहिए?
- (ग) महाराष्ट्र दिवस कब मनाया जाता है?
- (घ) अपने घर पर तुम कोई त्योहार कैसे मनाते हो?



(२) चित्र देखकर पाँच वाक्य बोलो :



(३) पढ़ो, समझो और अनुलेखन करो :

- (च) “मैं अपनी झाँसी नहीं दूँगी।” – रानी लक्ष्मीबाई
- (छ) “आराम हराम है।” – पं. जवाहरलाल नेहरू
- (ज) “जय जवान, जय किसान।” – लाल बहादुर शास्त्री
- (झ) “स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर ही रहूँगा।”
– लोकमान्य टिळक



(४) नीचे दिए वाक्य पढ़ो। इन वाक्यों में कुछ और वाक्य जोड़कर एक परिच्छेद तैयार करो :

- (ट) हमारा देश त्योहारों का देश है।
- (ठ) १५ अगस्त हमारा स्वतंत्रता दिवस है।
- (ड) १५ अगस्त को देश के प्रधानमंत्री लाल किले पर ध्वजारोहण करते हैं।
- (ढ) २६ जनवरी १९५० को संविधान लागू किया गया।



(५) कल्पना करो कि तुम अपने तिरंगे से बातचीत कर रहे हो; तुम्हारी क्या बातचीत हुई, लिखो :

.....

.....

.....

.....

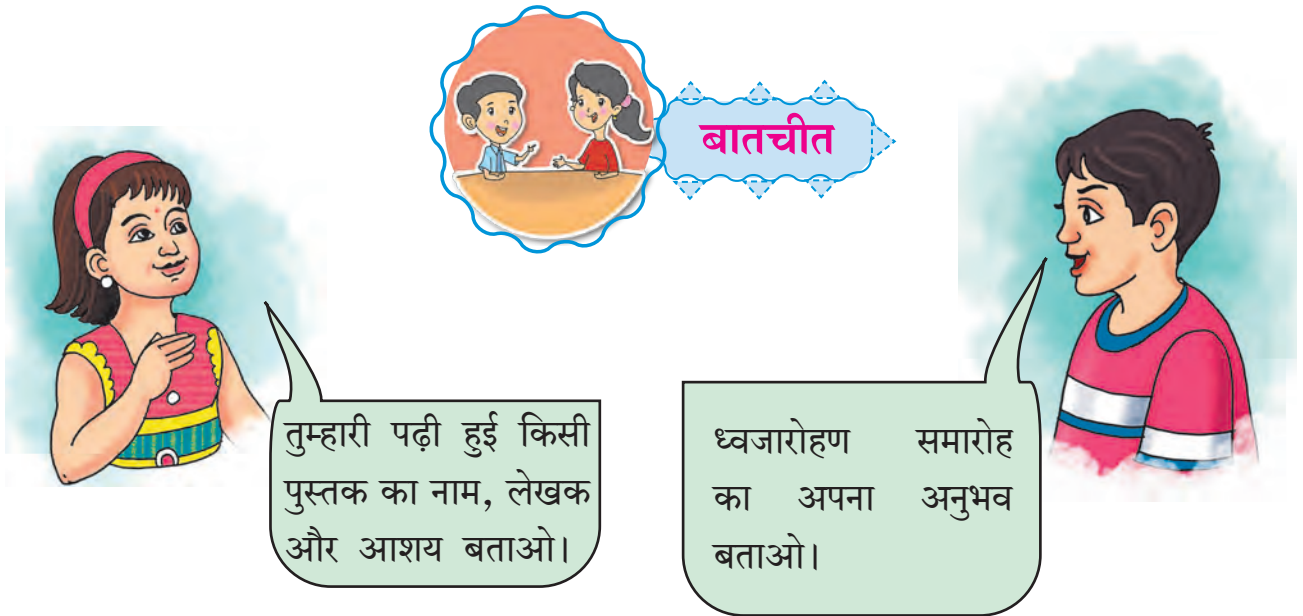
.....

.....



(६) शब्दों के पर्यायवाची शब्द बाल शब्दकोश से ढूँढ़कर लिखो :

प्रयास -	त्योहार -
पथ -	गौरव -
रोशनी -	प्रतीक -



अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी कराएँ। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। विशेष विद्यार्थियों की सहायता करें।



सुनो और मिलकर गाओ :

६. बाबू जी! तुम हँसा करो



— सुरेश कुशवाह 'तन्मय'

हम बच्चों के साथ-साथ में
बाबू जी! तुम हँसा करो,
दूर भगेगी ऊब, उदासी
गुस्से को यूँ दफा करो।



जब हँसते हो बाबू जी
लहर खुशी की छा जाती है,
संग हमारे अम्मा के
चेहरे पर रौनक आती है।

अध्यापन संकेत : उचित हाव-भाव, लय-ताल के साथ कविता का सस्वर पाठ करें। विद्यार्थियों से चार-चार पंक्तियों का बारी-बारी से एकल एवं सामूहिक वाचन कराएँ। कविता के आशय पर विद्यार्थियों से बातचीत करें। कविता में वर्णित बाबू जी की छवि को अपने पिता जी के व्यक्तित्व के साथ जोड़ने के लिए कहें। कविता में आए लिंग और वचन के शब्दों की तालिका बनवाएँ। कविता में आए तुकांत शब्दों और कविता का अनुलेखन करवाएँ। कविता की कौन-सी पंक्ति उन्हें अच्छी लगी और क्यों, यह पूछें। परस्पर सम्मान रखते हुए सामूहिक वाचन कराएँ।

चिंताओं के ताने-बाने में
मत खुद को कसा करो।
हम बच्चों के साथ-साथ में
बाबू जी! तुम हँसा करो।



कर्ता, कर्म और क्रियाओं को पढ़ो और समझो :



किसान बीज बोता है।



जोकर ने दर्शकों को हँसाया।



अध्यापिका ने विद्यार्थियों को पढ़ाया।

नये शब्द : दफा करना = भगा देना; संग = साथ; रौनक = शोभा; कसा = बंधा।

अध्यापन संकेत : ऊपर दिए गए वाक्यों में आए कर्ता, कर्म और क्रिया शब्दों पर चर्चा करें। कर्ता, कर्म, क्रिया को अच्छी तरह समझाएँ। विद्यार्थियों को क्रिया करने वाला - कर्ता, कार्य जिसपर हो रहा हो - कर्म; जो शब्द कार्य को बताता है - वह क्रिया होती है, यह समझाएँ। जैसे- लड़का गेंद खेलता है। लड़का- कर्ता, कर्म-गेंद, क्रिया- खेलता है। ऐसे ही अन्य वाक्य देकर लिखवाएँ। विशेष विद्यार्थी की सहायता करने के लिए अन्य विद्यार्थियों को प्रेरित करें।

आओ करें



(१) सुनो और बताओ :

- (क) हँसने से कौन दूर भाग जाती है?
- (ख) किसके हँसने पर खुशी की लहर छा जाती है?
- (ग) तुम कब ऊब जाते हो, बताओ।
- (घ) मित्रों को हँसाने के लिए तुम क्या-क्या करोगे?



(२) चित्र देखो और पाँच वाक्य बोलो :



(३) पढ़ो, समझो और सहपाठी की सहायता से श्रुतलेखन करो :

“मैया मोरी मैं नहिं माखन खायो,
भोर भयो गैयन के पाछे मधुबन मोहिं पठायो॥” – संत सूरदास



(४) पहचानो और लिखो :

- (च) न हँसने वाले -
- (छ) चेहरे पर रौनक आने वाली -
- (ज) बाबू जी को हँसने के लिए कहने वाले -
- (झ) बाबू जी के हँसते ही छा जाने वाली -



(५) 'दादी जी' और 'पेड़' विषय पर छोटी-सी कविता बनाकर लिखो :

.....

.....

.....

.....

.....



(६) नीचे दिए गए शब्द पढ़ो और उनके वचन पहचानकर तालिका में उचित जगह पर लिखो :

	एकवचन	बहुवचन
चेहरा		
चिंता		
दीवार		
चिंताएँ		
दीवारें		
चेहरे		
खुशी		
खुशियाँ		



इस कविता के
मुख्य विषय पर कक्षा
में चर्चा करो।



इस पाठ में आए
अपरिचित शब्द ढूँढ़कर
उनके अर्थ समझकर
बताओ।

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी कराएँ। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार विशेष विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करें।



चित्र का निरीक्षण करते हुए उसका वर्णन करो :



अध्यापन संकेत : ऊपर दिए गए चित्र का ध्यान से निरीक्षण कराएँ। विद्यार्थियों से के विषय में चार-पाँच वाक्यों में जानकारी देने के लिए कहें। उन्हें क्रम से एक-एक करके बोलना सिखाएँ।

पुनरावर्तन-२



(१) सुनो और बताओ :

- (क) तुम पंछी बनोगे तो क्या-क्या करोगे?
- (ख) तुम्हें घर के कौन-से काम करना पसंद है?
- (ग) तुम अपने मित्र/सहेली की सहायता कैसे करते/करती हो?
- (घ) तुम्हारा सबसे प्रिय त्योहार कौन-सा है?



(२) चित्र देखकर चार-पाँच वाक्य बोलो :



(३) उचित उच्चारण के साथ पढ़ो :

भारत के बालक साहसी हैं। अपने साहस के बल पर वे अनेक संकटों पर मात कर चुके हैं। हमारे राज्य महाराष्ट्र के अनेक बालकों ने भी समय-समय पर साहस का परिचय दिया है। इन बालकों को राष्ट्रपति द्वारा 'राष्ट्रीय बाल वीरता' पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।



(४) अपने विद्यालय में मनाए गए स्वतंत्रता दिवस का वर्णन अपने शब्दों में लिखो:

.....

.....

.....

.....

.....

.....



(५) किसी एक बोली भाषा के दस पारंपरिक अपरिचित शब्द और उनके अर्थ बाल शब्दकोश से ढूँढ़कर उनकी सूची तैयार करो।



(६) दिए गए शब्दों में से विरुद्धार्थी शब्दों की जोड़ियाँ ढूँढ़कर लिखो :

नया

दूर

छोटा

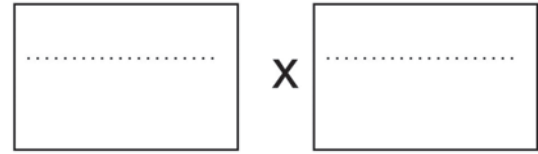
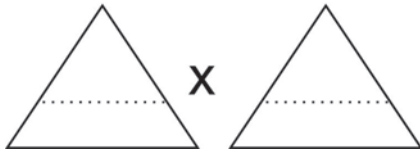
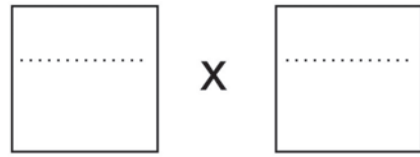
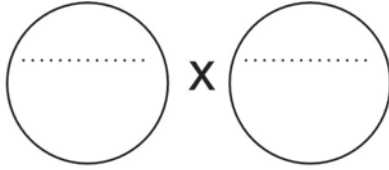
धूप

बड़ा

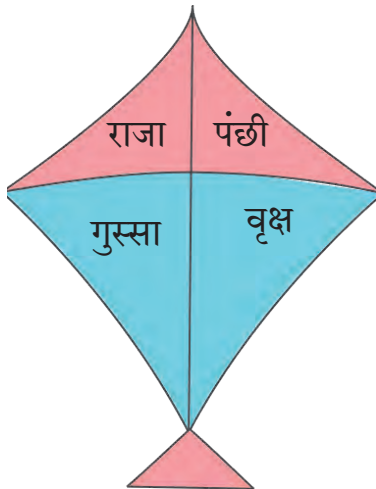
पुराना

छाँव

पास



(७) आकृति में दिए गए शब्दों से समानार्थी शब्दों की जोड़ियाँ ढूँढ़कर लिखो :

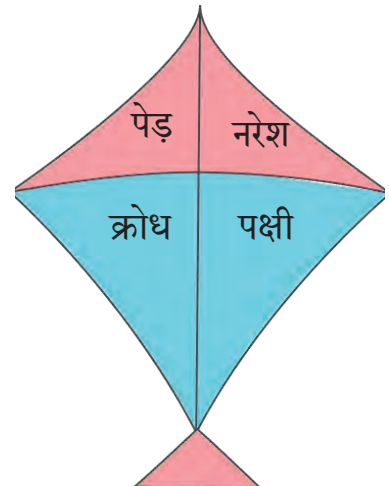


..... =

..... =

..... =

..... =

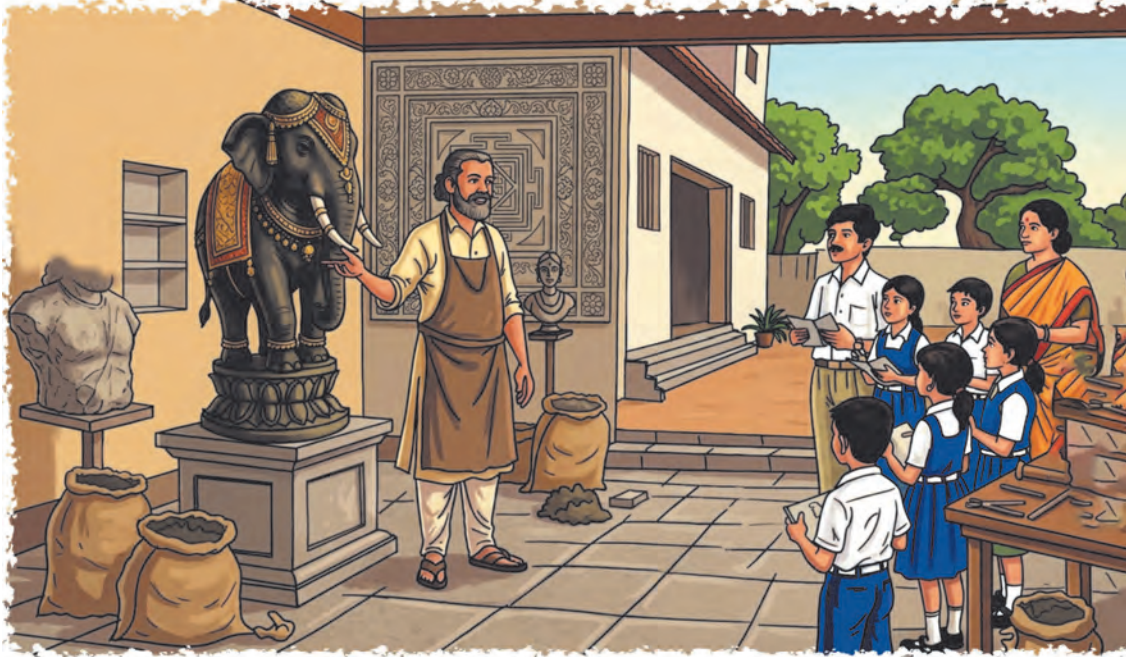




पूर्वानुभव : देखो, बताओ और लिखो :

तीसरी इकाई

१. कला



अध्यापन संकेत : चित्रों का सूक्ष्म निरीक्षण कराने के लिए विद्यार्थियों के दो समूह बनाएँ। चित्र का वर्णन करके एक समूह को चित्र से संबंधित प्रश्न पूछने के लिए कहें। दूसरे समूह को उत्तर देने के लिए कहें। चित्रों के विषय पर ५-६ सार्थक वाक्य लिखने के लिए सूचित करें। इन वाक्यों के आधार पर अन्य विद्यार्थियों को तीन-चार प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित करें। मिट्टी के खिलौने, बाँस की टोकरियाँ जहाँ बनती हैं, उन स्थानों पर ले जाकर कारीगरों के कार्य दिखाएँ। मिट्टी के खिलौने, पशु-पक्षियों के चित्र बनाने की कृतियाँ कराएँ।



देखो, चर्चा करो और लिखो :

२. पुस्तकघर



पुस्तकें हमारी मित्र हैं, उन्हें सुरक्षित रखें।

अध्यापन संकेत : विद्यार्थियों से चित्र का निरीक्षण करने के लिए कहें। अपनी पाठशाला के पुस्तकघर के बारे में पाँच-छह वाक्यों में जानकारी देने के लिए कहें। पुस्तकघर के नियमों को समझाते हुए समूह में चर्चा करवाएँ। पुस्तकघर में जाकर छोटी कहानियों की पुस्तकों की जानकारी प्राप्त करके अपनी रुचि के अनुसार लेखक, मुखपृष्ठ, मलपृष्ठ और उसके आशय पर कक्षा में चर्चा करने के लिए विद्यार्थियों को सूचित करें। पाठशाला के पुस्तकघर से नियमित रूप से अपनी रुचि के अनुसार पुस्तकें पढ़ने के लिए कहें। पढ़ी हुई पुस्तकों का आशय बताने के लिए कहें।



सूचना :

- * कृपया शांति बनाए रखें।
- * पुस्तक में कुछ न लिखें।
- * पुस्तक के पन्ने न फाड़ें।
- * पुस्तकें उनके स्थान पर रखें।

पुस्तकघर खुलने
का समय
सुबह ९ से १२
शाम ४ से ७

अध्यापन संकेत : विद्यार्थियों को परिसर के किसी सार्वजनिक पुस्तकघर में ले जाकर वहाँ पुस्तकों के विभाग दिखाएँ। पुस्तकघर के सूचनापट्ट पर लिखी सूचनाएँ पढ़ने के लिए कहें। पुस्तकों के विषय और प्रकार के अनुसार बनाए गए विभागों की जानकारी दें। रुचि के अनुसार कहानियों, गीतों की पुस्तकें खोजकर पढ़ने के लिए कहें। कक्षा में आयोजित कविता गायन कार्यक्रम में सहभागी होने के लिए कहें। विशेष विद्यार्थियों को भी प्रोत्साहित करें।



सुनो, पढ़ो और मिलकर गाओ :

३. बनावटी सिंह



– सुखराम चौबे 'गुणाकार'

सियार एक था मोटा-ताजा,
बन बैठा वह वन का राजा।
कहीं सिंह का चमड़ा पाया,
झट वैसा ही रूप बनाया।
ओढ़कर चमड़ा वह इठलाया,
इठलाकर फिर सिंह-सा धाया।



सबको खूब डराता वन में,
फिरता आप निडर हो मन में।
एक रोज जो जी में आया,
हुआँ-हुआँ कर धूम मचाया।

अध्यापन संकेत : उचित हाव-भाव, लय-ताल के साथ कथागीत का गायन करें। विद्यार्थियों से कविता का अभिनय के साथ गायन कराएँ। परिचित/अपरिचित शब्दों के अर्थ शब्दकोश से ढूँढ़ने में सहायता करें। कविता को समझाकर विद्यार्थियों से अपने शब्दों में कविता का मुख्य आशय स्पष्ट करने के लिए कहें। कविता में आए नये शब्दों को सूचीबद्ध करके उनके अर्थ पर बातचीत करने के लिए कहें। कविता के मुख्य विचार, पात्र आदि पर प्रश्न पूछकर चर्चा करें। कविता से प्राप्त सीख बताने को कहें। सामूहिक वाचन गतिविधि में विशेष विद्यार्थियों को सहभागी होने के लिए कहें।

सबके आगे ज्यों वह बोला,
भेद सियार होने का खोला।
फिर तो झट सबने आ पकड़ा,
खूब मार, छीना वह चमड़ा।
देता सियार न धोखा भाई,
तो उसकी होती न ठुकाई।



संज्ञा शब्दों को पढ़ो और समझो :



पुस्तक



बालभारती



मिठाई



पानी



पुष्पगुच्छ



अनाज

नये शब्द : बनावटी = नकली; वन = जंगल; इठलाना = इतराना; ठुकाई = पीटना।

अध्यापन संकेत : भाषाई खेलों के माध्यम से चित्र/पाठ्यसामग्री में आई हुई संज्ञाओं के बारे में बताएँ। पाठ्यपुस्तक के पाठों, कविताओं में आई संज्ञाएँ ढूँढ़ने के लिए कहें। सूची बनाकर संज्ञा भेद का दृढ़ीकरण कराएँ। चित्र और शब्दकार्ड से संज्ञा एवं संज्ञा भेदों का अभ्यास कराएँ।

आओ करें



(१) सुनो और बताओ :

- (क) सिंह का चमड़ा किसे मिला था?
- (ख) सियार का भेद कैसे खुला?
- (ग) तुम्हें कोई घायल पक्षी मिले तो क्या करोगे?
- (घ) तुमने कौन-कौन-से प्राणी देखे हैं?



(२) चित्र देखकर तीन-चार वाक्य बोलो :



(३) पढ़ो, समझो और अपरिचित शब्द ढूँढ़कर उसके समानार्थी शब्द बताओ :

पशु-पक्षी और जीव-जंतु,
सब हमारे भाई हैं,
उनकी रक्षा करने की,
हमने शपथ खाई है।



(४) कविता की पंक्तियाँ पूर्ण करके लिखो :

- (च) एक था मोटा-ताजा
- (छ) ओढ़कर वह इठलाया।
- (ज) सबको खूब डराता में।
- (झ) तो उसकी होती न ।



(५) शब्द पहली हल करो :

थ		म	
ब			
ख			








(६) नीचे दिए गए वाक्य पढ़ो। संज्ञा शब्दों पर गोल बनाओ :

- (ट) चाँदी मूल्यवान धातु है।
 (ठ) सौरभ होशियार लड़का है।
 (ड) बचपन के दिन अच्छे होते हैं।
 (ढ) गाय घास खाती है।
 (ण) दूध में शक्कर डालो।



इस कविता की
विषयवस्तु पर
बातचीत करो।



इस कविता की मुख्य
घटनाओं पर चर्चा
करो और उनका क्रम
बताओ।

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी कराएँ। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। अन्य कृतियों का अभ्यास कराएँ।



सुनो और समझो :

४. सफलता



तीसरी कक्षा के सभी बच्चे एक से बढ़कर एक थे। जिसे देखो, वही कोई-न-कोई शरारत करता रहता था। सभी अध्यापक पूरी कक्षा से ही नाराज रहते थे। करते भी क्या? समझाने का उनपर कोई असर नहीं होता था।

एक दिन नये अध्यापक जब कक्षा में आए तो वहाँ के रंग-ढंग को समझने

में उन्हें जरा भी देर नहीं लगी। श्यामपट्ट पर कार्टून बने हुए थे।

नये अध्यापक ने उस चित्र को अनदेखा करने का अभिनय किया और उपस्थिति लेने के बाद वह सबका परिचय करवाने लगे। उधर लड़के अचंभित थे कि अध्यापक चित्र को देखकर न तो बौखलाए और न ही डाँट-डपट की।



अध्यापन संकेत : पाठ का आदर्श वाचन प्रस्तुत करें। विद्यार्थियों को ध्यानपूर्वक सुनने के लिए कहें। उनसे चार-पाँच वाक्यों का अनुवाचन कराएँ। उनके शुद्ध उच्चारण की ओर ध्यान दें। पाठ में आए नये शब्द ढूँढ़कर सूची बनाने के लिए कहें। बाल शब्दकोश से उन शब्दों के अर्थ ढूँढ़ने के लिए कहें। कहानी की मुख्य संकल्पना समझकर बताने के लिए कहें। पाठ में आए किन्हीं पाँच शब्दों के पर्यायी शब्द बताने के लिए प्रेरित करें। कहानी में आए मुहावरों को समझाएँ।

दूसरे दिन कक्षा में आते ही अध्यापक ने कहा, “कक्षा में सभी बच्चे चित्र अच्छा बनाते हैं इसलिए मैं चाहता हूँ कि चित्रकला की एक प्रतियोगिता रखी जाए।” फिर क्या था, सभी ने बढ़िया-से बढ़िया चित्र बनाए।

बच्चों का ध्यान धीरे-धीरे शरारतों से हटने लगा, तब एक दिन अध्यापक ने कहा, “बच्चो! तुम अपना समय और मस्तिष्क बेकार की शरारतों में गँवा देते

थे। तुम्हारे बनाए हुए चित्र पहले दिन के चित्र से कहीं अधिक सुंदर हैं। इसका कारण- तुम्हारी सच्ची लगन और मेहनत है। इन दो गुणों को तुम जिस कार्य में भी लगाओगे ऐसे ही सफलता पाओगे।”

सभी बच्चे उनके व्यवहार से प्रभावित हुए। उन्हें अपनी भूल का आभास हो गया था। उसी दिन से बच्चों ने शरारतें करना को छोड़कर पढ़ाई में ध्यान देना शुरू कर दिया।



पढ़ो और समझो :

पाठशाला में पढ़ाने के लिए शिक्षक/शिक्षिका होते हैं। देश की रक्षा करने वाले सैनिक होते हैं। इसी तरह नीचे दिए शब्दसमूह के लिए एक शब्द का प्रयोग करते हैं। जैसे-

पशु पालने वाला	- पशुपालक
पशु चराने वाला	- चरवाहा
घोड़े की सवारी करने वाला	- घुड़सवार
खेती का काम करने वाला	- किसान
दान देने वाला	- दाता
भाषण देने वाला	- वक्ता

नये शब्द : असर = परिणाम; अचंभित = आश्चर्य चकित; बौखलाना = चिढ़ना; लगन = निष्ठा।

अध्यापन संकेत : विद्यार्थियों से इसी तरह के शब्द पूछें और उन्हें अन्य शब्द समूह के लिए एक शब्द बताने के लिए प्रेरित करें। ऐसे ही शब्द बताकर उनका वाक्यों में प्रयोग कराएँ। विशेष विद्यार्थियों की सहायता करें।

आओ करें



(१) सुनो और बताओ :

- (क) सभी अध्यापक तीसरी कक्षा के बच्चों से नाराज क्यों थे?
- (ख) दूसरे दिन नये अध्यापक ने क्या बताया?
- (ग) हमें अपना समय किन कामों में लगाना चाहिए?
- (घ) कोई बच्चा शरारत की जगह अध्ययन पर ध्यान देगा तो क्या लाभ होगा?



(२) चित्र देखकर तीन-चार वाक्य बोलो :



(३) पढ़ो, समझो और अर्थ बताओ :

- (च) विनयशील स्वभाव से विद्या सुशोभित होती है।
- (छ) कोशिश करने वालों की हार नहीं होती।
- (ज) समय पर अपना काम पूरा करना चाहिए।
- (झ) स्वस्थ शरीर, स्वस्थ मन।



(४) कारण लिखकर पूर्ण वाक्य लिखो :

- (ट) अध्यापक पूरी कक्षा से नाराज थे क्योंकि
- (ठ) बच्चों के चित्र सुंदर बने थे क्योंकि
- (ड) विद्यार्थी हैरान हुए थे क्योंकि
- (ढ) बच्चों ने पढ़ाई में ध्यान देना शुरू किया क्योंकि



(५) पाठ में आए हुए दो मुहावरे और उनके अर्थ लिखो :

(१)

(२)



(५) दिए गए शब्दों के समान अर्थवाले शब्द पाठ से ढूँढ़कर लिखो :

स्पर्धा : अच्छा :

शिक्षक : गुस्सा :

गलती : परिश्रम :



(६) शब्द पढ़ो और उसके वर्णों से तीन अर्थपूर्ण शब्द बनाकर लिखो :

जैसे : महासागर = महा, सागर, साग, हार, गर, सार, साहा

सुलभभारती

.....
.....

सुविचार

.....
.....



बातचीत



कहानी में आई घटना के बारे में अपने विचार व्यक्त करो।



तुमने सुने हुए अन्य दो मुहावरे बताओ।

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी कराएँ। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। विशेष विद्यार्थियों की सहायता करें।



५. विविधता में एकता

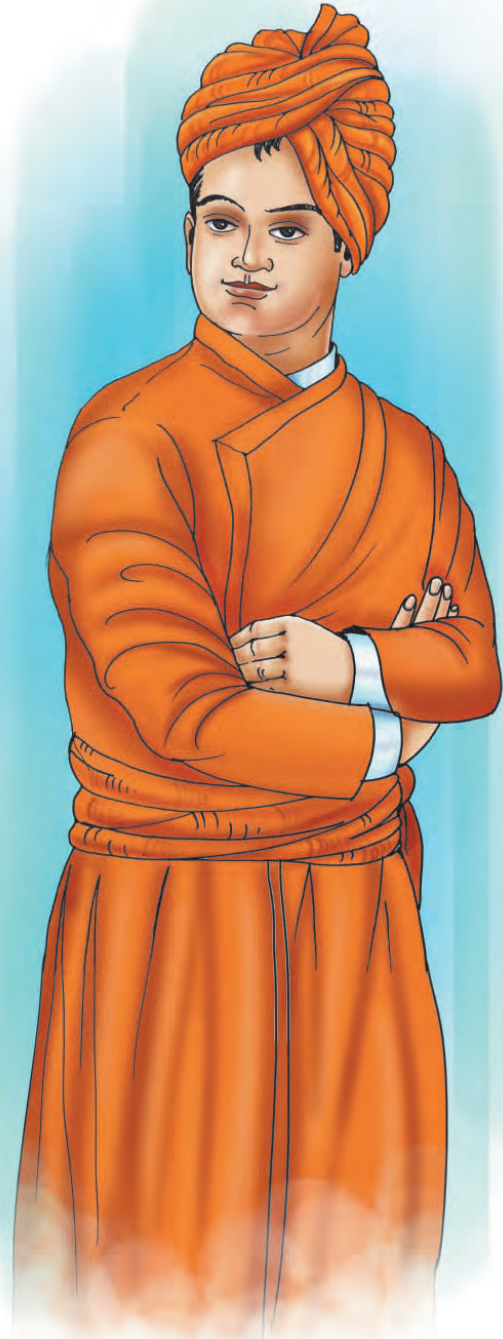


“अमेरिका के बहनो और भाइयो! आज मैं अपने देश भारत की ओर से आपके सामने खड़ा हूँ। मैं आपको धन्यवाद देता हूँ कि आपने मुझे इस मंच पर बोलने का अवसर दिया है।

मैं आपको बताना चाहता हूँ कि भारत एक ऐसा देश है जहाँ से दुनिया को ज्ञान और प्रकाश मिला है। हमारे ऋषियों और संतों ने हमें सिखाया है कि सभी मानव एक हैं।

मैं आपको बताना चाहता हूँ कि भारत एक ऐसा देश है जहाँ विविधता में एकता है। हमारे यहाँ अनेक भाषाएँ और विविध संस्कृतियाँ हैं लेकिन हम सब एक हैं। हम सब एक-दूसरे के प्रति प्रेम और आदर रखते हैं।

इसी तरह विश्व भी एक बड़ा परिवार है। इस परिवार के हर सदस्य के प्रति हमें सम्मान का भाव रखना चाहिए।



अध्यापन संकेत : पाठ का मुखर वाचन करें। पाठ की घटनाओं के बारे में बताएँ। पठित पाठ पर आधारित सरल प्रश्न पूछें। इस पाठ के मुख्य विचारों पर चर्चा कराएँ। मुख्य विषय के बारे में पाँच-छह वाक्यों में बताने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित करें। पाठ पर आधारित कुछ अन्य प्रश्न पूछने के लिए उन्हें प्रेरित करें। विद्यार्थियों को पाठ के अतिरिक्त मुक्त प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित करें।



मैं आपसे कहना चाहता हूँ कि हम भारतीय लोग विश्व के सभी देशों के साथ मित्रता और सहयोग करने के लिए तैयार हैं। हम विश्वशांति और मानवता के लिए काम करने को तैयार हैं।

धन्यवाद।”

(यह भाषण स्वामी विवेकानंद ने ११ सितंबर १८९३ को शिकागो के विश्व सम्मेलन में दिया था।)



पढ़ो, समझो और ऐसे अन्य शब्द बताओ :

मूल शब्द	उपसर्ग	उपसर्गयुक्त शब्द
जल	स	सजल
गुण	सद्	सद्गुण
नीति	सु	सुनीति
जीवन	आ	आजीवन
डर	नि	निडर
दिन	प्रति	प्रतिदिन
तिथि	अ	अतिथि
चित्र	वि	विचित्र

नये शब्द : विश्व = संसार; सहयोग = सहायता; सजल = जलयुक्त; आजीवन = जीवन भर।

अध्यापन संकेत : विद्यार्थियों को मूल शब्द, उपसर्ग समझाएँ। उपसर्ग लगने पर मूल शब्द के अर्थ का विस्तार होता है, यह समझाएँ। विभिन्न पाठों में आए ऐसे शब्द ढूँढ़कर बताने और लिखने के लिए कहें। अन्य शब्द देकर उपसर्गयुक्त शब्द बनवाएँ और उनकी सूची बनवाएँ।

आओ करें



(१) सुनो और बताओ :

- (क) प्रस्तुत भाषण किसने और कहाँ दिया था?
- (ख) किस विशेष अवसर पर प्रस्तुत भाषण दिया गया था?
- (ग) भारत की कौन-कौन-सी विशेषताएँ हैं?
- (घ) हमारे पड़ोसी राज्यों की मुख्य भाषाएँ कौन-कौन-सी हैं?



(२) चित्र देखकर तीन-चार वाक्य बोलो :



(३) पढ़ो, समझो और अर्थ बताओ :

- (च) विविधता में एकता।
- (छ) संचार साधनों का देखो जोर। झटपट जोड़े दुनिया के छोर।
- (ज) संचार माध्यम साधन हैं मात्र। इतना अवश्य जान लें छात्र।
- (झ) खाओ सब्जी हरी-हरी। पौष्टिकता से है भरी-भरी।।



(४) पाठ के आधार पर सही पर्याय चुनकर वाक्य पूर्ण करो और लिखो :

- (ट) आपने मुझे इस मंच पर ।
 - १) बोलने का अवसर दिया है।
 - २) बोलने के लिए बुलाया है
 - ३) गीत गाने के लिए बुलाया है।
- (ठ) हम सब एक-दूसरे के प्रति ।
 - १) स्नेह और दया का व्यवहार करते हैं।
 - २) प्रेम और आदर रखते हैं।
 - ३) आदर और स्नेह रखते हैं।



(५) देशभक्तों के चित्र चिपकाओ। उनके नाम लिखकर एक वाक्य में जानकारी लिखो :

--	--	--	--



(६) नीचे दिए शब्दों के साथ उपसर्ग जोड़कर नये शब्द बनाकर लिखो :

उपसर्ग	मूल शब्द	उपसर्गयुक्त शब्द
	देश	
	विचार	
	दिन	
	फल	



बातचीत



२६ जनवरी के कार्यक्रम में सुने हुए भाषण के मुख्य मुद्दे बताओ।



गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएँ देने के लिए २-३ वाक्य बताओ।

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी कराएँ। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। कृतियाँ करते हुए विशेष विद्यार्थियों की सहायता करें।



सुनो और मिलकर गाओ :

६. सोहर गीत



छम-छम नाचे ललन की बुआ।
 भैया के घर में भतीजा हुआ।
 कोई ढोलक कोई मंजीरा बजावे,
 ताली बजावे ललन की बुआ,
 भैया के घर में भतीजा हुआ।
 भैया की साली लड्डू बनावे,
 सबको खिलावे ललन की बुआ,
 भैया के घर में भतीजा हुआ।



अध्यापन संकेत : उपर्युक्त सोहर गीत का गायन करवाएँ। 'सोहर' गीत की संकल्पना स्पष्ट करें। विद्यार्थियों को लोकगीत खोजकर पढ़ने के लिए प्रेरित करें। विविध अवसरों पर गाए जाने वाले गीतों के प्रकार और शुभ संदेश को प्रश्नोत्तर के माध्यम से समझाएँ। बोली भाषा और उसमें आने वाले अपरिचित शब्दों के अर्थ शब्दकोश से ढूँढ़ने के लिए कहें। ऐसे शब्दों की उनके अर्थों के साथ सूची बनाने के लिए कहें। उनसे आस-पड़ोस एवं रिश्तेदारों में नामकरण विधि किस प्रकार की जाती है, इस संदर्भ में अधिक जानकारी पाने हेतु उन्हें एक-दूसरे से संवाद करने के लिए कहें।

सासू जी आवे चरुवा चढ़ावे,
 काजल लगावे ललन की बुआ,
 भैया के घर में भतीजा हुआ।
 ललन के पापा ने कंगना दिया,
 सबको दिखाए ललन की बुआ।
 छम-छम नाचे ललन की बुआ,
 भैया के घर में भतीजा हुआ॥



पढ़ो और ऐसे अन्य शब्द तैयार करो :

मूल शब्द	प्रत्यय	प्रत्यययुक्त शब्द
मानव	ता	मानवता
गुण	वान	गुणवान
मीठा	ई	मिठाई
प्यास	आ	प्यासा
भाग्य	शाली	भाग्यशाली
धन	वान	धनवान
सज	आवट	सजावट
मानव	ईय	मानवीय
पुस्तक	आलय	पुस्तकालय
सरकार	ई	सरकारी

नये शब्द : सोहर = बच्चे के जन्मोत्सव पर गाया जाने वाला बधाई गीत; चरुवा = मिट्टी का बरतन।

अध्यापन संकेत : विद्यार्थियों को प्रत्यय समझाएँ। उदाहरण देकर प्रत्यय पर चर्चा करें। प्रत्यय लगने पर मूल शब्द के अर्थ का विस्तार होता है, यह समझाएँ। पाठ्यपुस्तक में आए ऐसे शब्द ढूँढ़कर बताने और लिखने के लिए कहें।

आओ करें



(१) सुनो और बताओ :

- (क) भतीजा किसके घर हुआ है?
- (ख) बुआ क्या कर रही है?
- (ग) बच्चे के जन्म पर खुशियाँ कैसे मनाते हैं?
- (घ) प्रभाती कब गाई जाती है?



(२) चित्र देखकर तीन-चार वाक्य बोलो :



(३) पढ़ो और समझो :

- १) रहिमन धागा प्रेम का, मत तोड़ो चटकाय।
टूटे से फिर न जुरै, जुरै गाँठ पर जाय॥ - रहीम
- इसी प्रकार का एक और दोहा खोजकर लिखो :

.....



(४) समझो और पाँच-छह वाक्यों में 'सोहर' गीत का वर्णन लिखो :

.....

.....

.....

.....



(५) अपने मित्र/अपनी सहेली को जन्मदिवस के अवसर पर दिए जाने वाले उपहारों पर ✓ चिह्न लगाओ। उपहारों की सूची बनाओ :

बाल शब्दकोश

रंगपेटी

बस्ता (सैक)

स्केच पेन सेट

सूटकेस

पानी की बोतल

चटाई

कद्दू

इस्त्री



(६) नीचे दिए शब्दों के साथ प्रत्यय जोड़कर नये शब्द बनाकर लिखो :

मूल शब्द	प्रत्यय
मूल्य	
देश	
विविध	
योग	



बातचीत



संत कबीर का कोई एक दोहा सुनाओ। बोली तथा मानक भाषा का प्रयोग करते हुए अर्थ बताओ।

लोकगीतों के बारे में अपने माता-पिता से प्राप्त जानकारी अन्य विद्यार्थियों को बताओ।

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी कराएँ। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। कृतियों का अभ्यास कराएँ। विशेष विद्यार्थियों की सहायता करें।



पढ़ो और समझो :

दो अक्षर का मेरा नाम,
आता हूँ खाने के काम।
सबके मन में भाव जगाऊँ,
उल्टा करो तो नाच दिखाऊँ।



बारह शाखाएँ पेड़ की
बावन उसके फूल,
सात पंखुड़ियाँ फूल की
इसे न जाना भूल।



पहेलियाँ



दो अक्षर का मेरा नाम,
मेरे बिना न चलता काम,
रंगहीन हूँ, स्वादहीन हूँ,
हरदम आता हूँ मैं काम।

जनवरी						
सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार	रविवार
			१	२	३	४
५	६	७	८	९	१०	११
१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८
१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५
२६	२७	२८	२९	३०	३१	

वृक्ष पर रहूँ मगर पक्षी नहीं,
तीन आँखें हैं मेरी पर शंकर नहीं,
छाल के वस्त्र पहनूँ पर योगी नहीं,
जल से परिपूर्ण हूँ पर मटका नहीं।



(१) सुनो और बताओ :

- (क) जहाँ चाह, वहाँ राह। (ख) जल ही जीवन है।
(ग) हम सब एक हैं। (घ) शौर्यगीत राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा देते हैं।



(२) चित्र देखकर तीन-चार वाक्य बोलो :



(३) पढ़ो, समझो और अर्थ बताओ :

हर काम के परिणाम के बारे में सोचना चाहिए। तात्कालिक सुख के बजाय दूर की सोच रखना समझदारी है। धैर्य से काम लेना और हर परिस्थिति को समझना महत्त्वपूर्ण है।



(४) नीचे दिए शब्दों के भिन्न अर्थ पहचानकर वाक्यों में उपयोग करो :

- | | | |
|----|------------|-------|
| कल | अगला दिन | _____ |
| | पिछला दिन | _____ |
| फल | पेड़ का फल | _____ |
| | परिणाम | _____ |



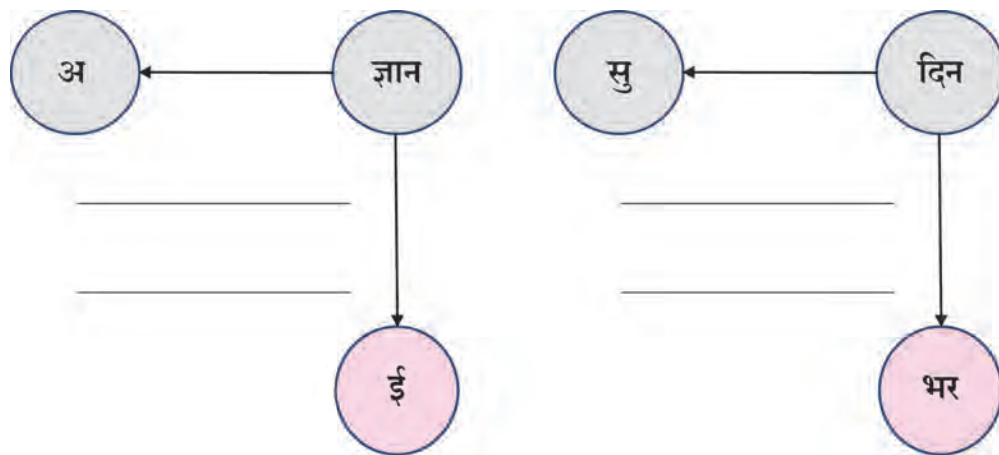
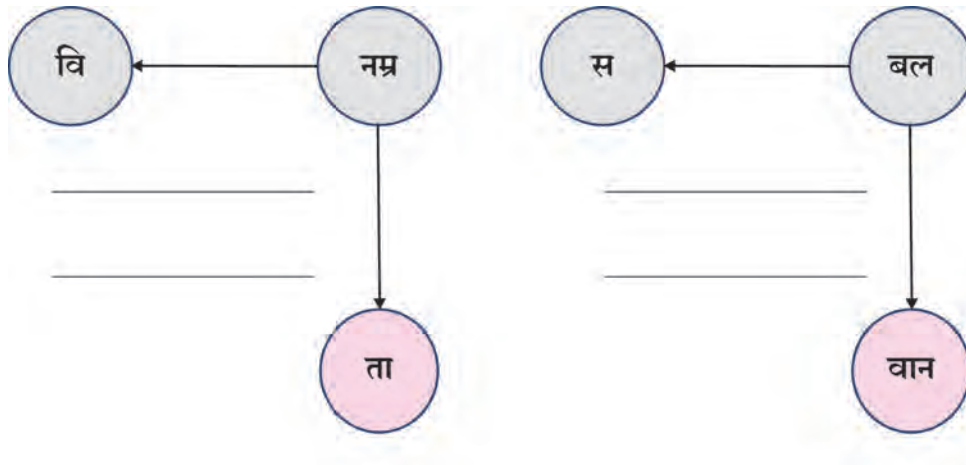
(५) शब्दों का सही क्रम लगाकर वाक्य फिर से लिखो :

- (च) बच्चे रहे जा हैं विद्यालय।
 (छ) अंत में दरबार सेवक वह में आया।
 (ज) सुनकर साथ एक पड़े हँस।
 (झ) नीम साथी सच्चा का आदमी है।



(६) पढ़ो और समझो :

नीचे दिए उपसर्ग और प्रत्यय लगाकर नये शब्द बनाओ :

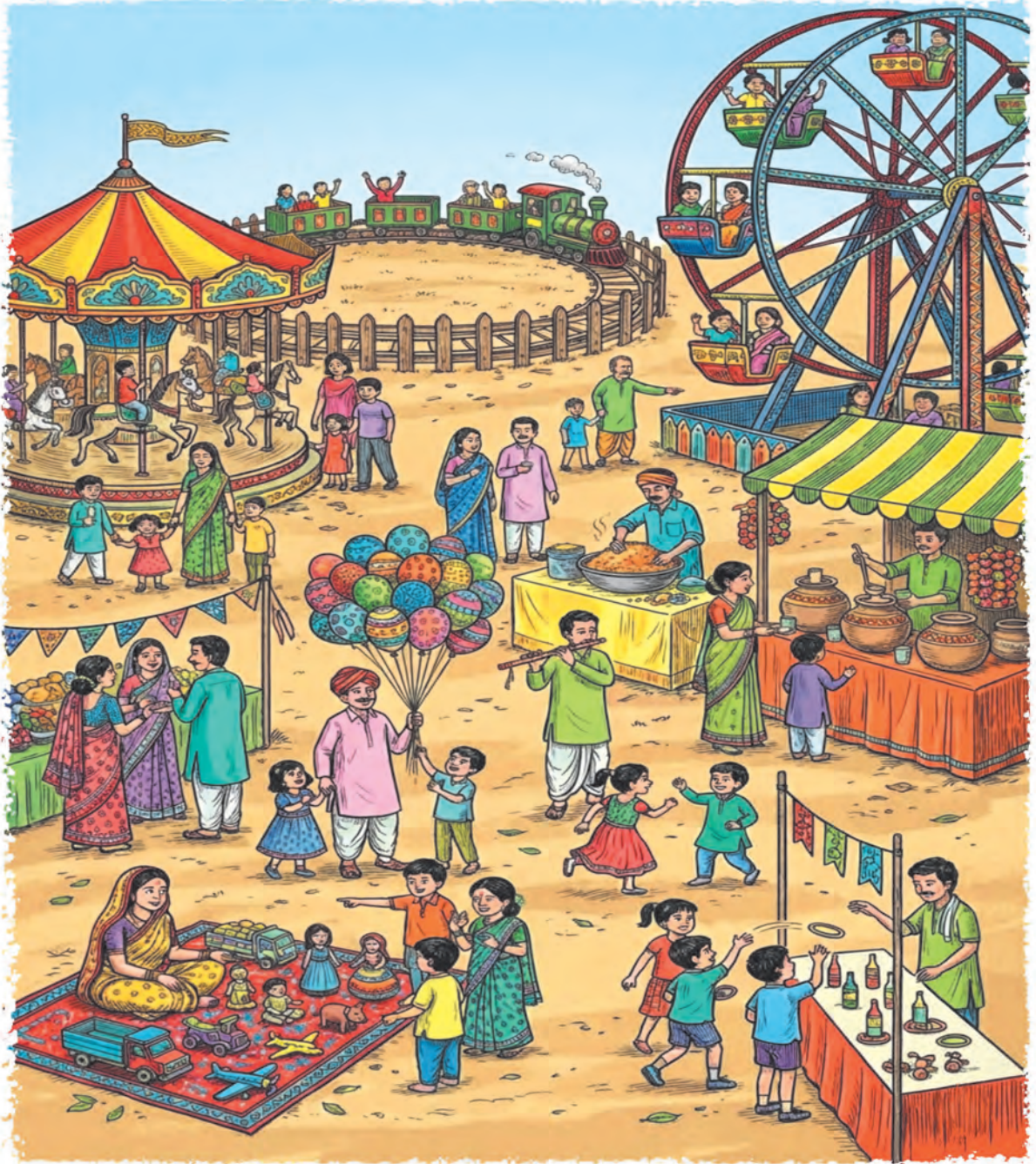




पूर्वानुभव : देखो, बताओ और लिखो :

चौथी इकाई

१. मेला

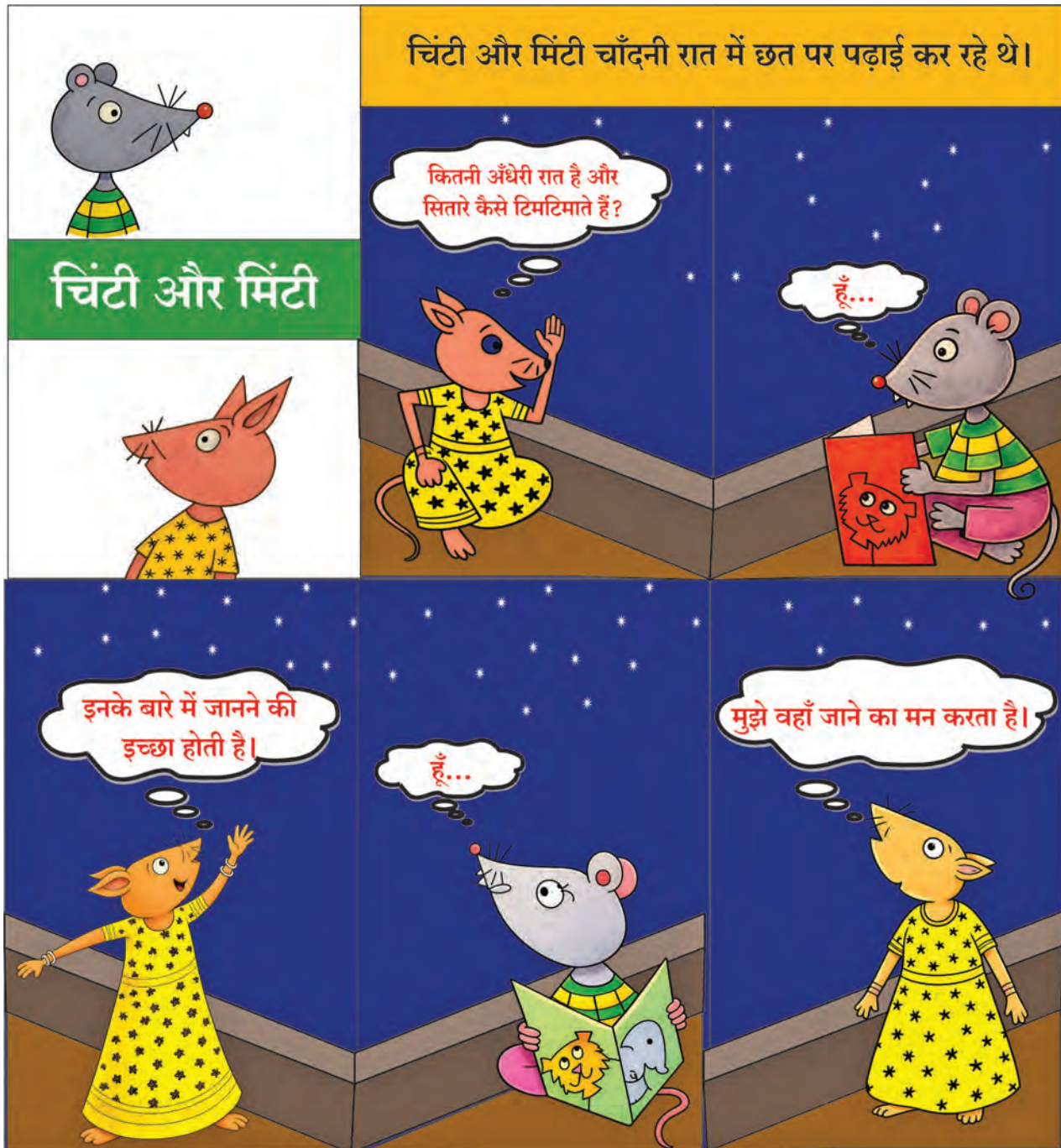


अध्यापन संकेत : चित्र का सूक्ष्म निरीक्षण कराएँ। इसका विवरण देने एवं नये शब्दों का प्रयोग करने हेतु समूह में चर्चा कराएँ। चित्र का अपने शब्दों में धाराप्रवाह वर्णन करने के लिए कहें। चित्र के विषय में ५-६ वाक्य कैसे लिखें, इसपर दूसरे विद्यार्थियों के साथ संवाद करने के लिए कहें। समय-समय पर अन्य चित्र उपलब्ध कराकर उनपर ५-६ पंक्तियाँ अपने शब्दों में लिखने के लिए कहें। चित्र देखकर उठने वाली जिज्ञासा के आधार पर प्रश्न पूछने के लिए उन्हें प्रेरित करें। विशेष विद्यार्थियों को चित्र पर चर्चा करने के लिए कहें।



देखो, बताओ और लिखो :

२. चिंटी और मिंटी



अध्यापन संकेत : चित्रों का सूक्ष्म निरीक्षण कराएँ। चित्रकथा के कथानक, पात्र, घटनाक्रम पर बातचीत करें। चित्रों के नीचे ऐसे शुद्ध वाक्य लिखवाएँ, जिनमें कर्ता, कर्म और क्रिया का उचित क्रम हो। चित्रकथा में घटित घटना और उनके अनुक्रम पर चर्चा करके उनपर अपने शब्दों में मत व्यक्त करने के लिए कहें। घटनाओं के आधार पर वाक्य बनाकर उन्हें सही क्रम से लिखने के लिए कहें।



अध्यापन संकेत : चित्रकथा के आशय के बारे में अपने सहपाठियों के साथ चर्चा करके कहानी बताने के लिए कहें। चित्रकथा का उचित शीर्षक ढूँढ़कर लिखने के लिए प्रेरित करें। चित्रकथा को संवाद के रूप में प्रस्तुत करने के लिए कहें। अन्य चित्रकथाओं का संग्रह करवाएँ। उनपर चर्चा करें। चित्रकथा का आशय समझ में आया है या नहीं, यह पूछें। मुख्य संकल्पना बताने के लिए प्रोत्साहित करें। बाल साहित्य से कोई चित्रकथा पढ़ने के लिए कहें।



सुनो, पढ़ो और मिलकर गाओ :

३. चमकें हम



— रामकेश एम. यादव

हम नन्हे-मुन्ने बच्चे,
हम नन्हे-मुन्ने बच्चे,
दिल के हैं सब सच्चे,
हम नन्हे-मुन्ने बच्चे।

जीवन के पथ पर बढ़ते जाएँ,
अपनी कृपा बनाना।
न हो कोई हमसे गलती,
दाता हमें बचाना।
हम नन्हे-मुन्ने बच्चे
हम नन्हे-मुन्ने बच्चे।

देना मन की शक्ति हमको,
देना देश की भक्ति।
मिल-जुलकर हम रहना सीखें,
बनें वतन की हस्ती।
हम नन्हे-मुन्ने बच्चे
हम नन्हे-मुन्ने बच्चे।



अध्यापन संकेत : उचित हाव-भाव और लय-ताल के साथ कविता का गायन करें। विद्यार्थियों से सामूहिक अनुगायन करने के लिए कहें। उनसे एक-एक कड़ी का वाचन कराएँ। इस कविता में कवि के संदेश का अनुमान लगाकर बताने के लिए प्रेरित करें। कविता को पढ़कर उनके मन में कौन-से भाव उठते हैं, यह पूछें। कविता में आए शब्दों के आधार पर प्रश्न पूछें और कविता को समझने में सहायता करें। कविता से तुकांत शब्द ढूँढ़कर लिखवाएँ। तुकांत शब्दों का उपयोग कर किसी विषय का सुंदरता से वर्णन कैसे किया जा सकता है, इसकी चर्चा करें।



सूरज बनकर चमकें जग में,
फूल के जैसा महकें।
झरने जैसा मन हो निर्मल,
चंदा जैसा चमके।
हम नन्हे-मुन्ने बच्चे
हम नन्हे-मुन्ने बच्चे।



संज्ञा पढ़ो और समझो :



किला

मिठास



पानी

भीड़



गुलाब

नये शब्द : दाता = देने वाला; वतन = मातृभूमि; हस्ती = व्यक्तित्व; निर्मल = स्वच्छ।

अध्यापन संकेत : किला, मिठास, पानी, भीड़ और गुलाब आदि शब्द संज्ञाएँ हैं। ऐसे ही संज्ञा शब्दों पर चर्चा करें। पाठ से संज्ञा शब्द ढूँढ़कर लिखने के लिए कहें। इन शब्दों का वाक्य में प्रयोग करने के लिए कहें।

आओ करें



(१) सुनो और बताओ :

- (क) बच्चे दाता से क्या माँगते हैं?
- (ख) बच्चों का मन किसके जैसा निर्मल होता है?
- (ग) अपने देश के लिए हम क्या-क्या कर सकते हैं?
- (घ) सूरज से हमें कौन-सी प्रेरणा मिलती है?



(२) चित्र देखकर ५-६ वाक्य लिखो :



(३) पढ़ो और समझो। अपरिचित शब्दों के अर्थ शब्दकोश में खोजो :

परहित सरिस धरम नहिं भाई।

पर पीड़ा सम नहिं अधमाई॥ - संत तुलसीदास



(४) कविता की पंक्तियाँ पूर्ण करो :

सूरज बनकर

.....।

.....,

..... जैसा चमके।



(५) नीचे दिए हुए शब्दसमूह के लिए एक शब्द लिखो :

- (च) जो भाषण सुनता है -
- (छ) जो सोने के गहने बनाता है -
- (ज) अध्यापन करने वाला -
- (झ) देश की रक्षा करने वाला -



(६) फूलों से सीखो नित हँसना और हँसाना। रेखांकित शब्दों के समान कुछ अन्य क्रियाएँ लिखो :

जैसे : देखना और दिखाना

.....

.....

.....

.....



बातचीत



कविता के मुख्य विषय
पर आधारित चार
पंक्तियाँ बताओ।

‘बालिका दिवस’ पर
भाषण देने की तैयारी
करके कक्षा में सुनाओ।

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी कराएँ। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। विशेष विद्यार्थियों को भाषण की तैयारी करने में सहायता करें।



४. कद्दू और बेलफल



गोपाल बेल के पेड़ के नीचे खड़ा फुलवारी देख रहा था। तभी उसकी निगाह कद्दू की लता पर गई। एक बड़ा-सा कद्दू लता में लगा हुआ था। यह देखकर

गोपाल स्वयं से ही बोला, “बेल का पेड़ कितना मजबूत है। लेकिन इसमें लगने वाला फल कितना छोटा, हलका, गेंद-सा है। कहाँ यह कद्दू की दुबली-पतली लता और इतना वजनी कद्दू! यदि मैंने इस संसार का निर्माण किया होता तो बेल को कद्दू की नाजुक लता में गूँथ देता। इसी तरह पच्चीस किलो के कद्दू को इस मजबूत बेल के पेड़ में लटका देता।”

यह सोचकर वह अपनी बुद्धिमानी पर बहुत खुश हो रहा था। अपनी सोच पर वह स्वयं को शाबाशी देते हुए मन-ही-मन कह रहा था कि संसार के निर्माण के लिए मुझे ही नियुक्त किया जाना चाहिए था।



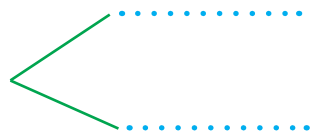
अध्यापन संकेत : पाठ का क्रमिक वाचन कराएँ। पाठ में वर्णित घटना पर आधारित सरल प्रश्न पूछकर बातचीत के लिए प्रोत्साहित करें। नये शब्दों को ढूँढ़कर उनकी सूची बनाने के लिए कहें। उनके अर्थ बाल शब्दकोश से ढूँढ़कर समूह में चर्चा करने के लिए कहें। उन शब्दों का अलग-अलग वाक्यों में प्रयोग करवाएँ। पाठ के कुछ वाक्यों का विरामचिह्नों सहित अनुलेखन करें। समाचारपत्र से अपरिचित शब्दों का अर्थ शब्दकोश से ढूँढ़कर लिखने के लिए कहें।

गोपाल का इतना कहना भर था कि बेल के पेड़ से एक फल टूटकर उसके कंधे पर गिरा। दर्द से वह तिलमिला उठा और बड़बड़ाने लगा, “मैं भी कितना गलत सोचता हूँ। अगर बेल के पेड़ पर लगा दस किलो का एक कद्दू मुझपर गिरा होता तो!” प्रकृति ने सभी को सोच-समझकर सही जगह दी है।



भिन्नार्थक शब्दों को पढ़ो और लिखो :

लाल



अंक



अंबर



सोना



चंदा



धन



नये शब्द : निगाह = दृष्टि; नियुक्त = चयन; तिलमिलाना = पीड़ा होना; अंबर = आकाश।

अध्यापन संकेत : विद्यार्थियों से दिए गए शब्द पढ़वाकर भिन्नार्थक शब्दों की सूची बनवाएँ। एक ही शब्द के भिन्न अर्थ वाक्यों द्वारा समझाएँ। शब्दों के भिन्न अर्थ ध्यान में रखकर अर्थपूर्ण वाक्य बनाने के लिए कहें। विभिन्न उदाहरण देकर यह संकल्पना दृढ़ करें।

आओ करें



(१) सुनो और बताओ :

- (क) गोपाल कद्दू को कहाँ लटकाना चाहता था?
- (ख) कद्दू बेल पर लगता तो क्या होता?
- (ग) तुम्हें कौन-से फल अधिक पसंद हैं?
- (घ) हमें फल क्यों खाने चाहिए?



(२) चित्र देखकर ५-६ वाक्य बोलो :



(३) पढ़ो और अर्थ बताओ :

- (च) सुंदर अक्षर विद्यार्थी का गहना है।
- (छ) प्रत्येक कार्य को समय पर पूरा करना चाहिए।
- (ज) प्रतिक्रिया ज्ञान का संचय करना चाहिए।
- (झ) समय बड़ा बलवान होता है।

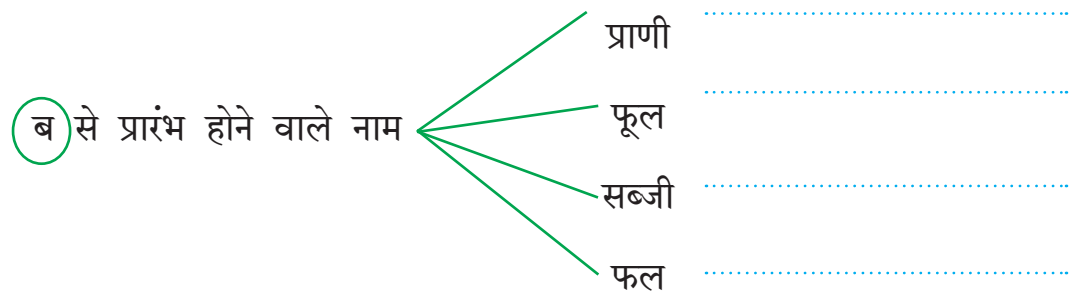


(४) शब्दों का क्रम सही करके पूर्ण वाक्य लिखो :

- (ट) एक कद्दू बड़ा-सा लता में था लगा हुआ।
- (ठ) कद्दू बेल में लगा था एक बड़ा-सा।
- (ड) कितना सही मैं भी सोचता हूँ।
- (ढ) सभी को बिना सोचे सही जगह प्रकृति ने दी है।
- (ण) कद्दू की लता तभी उसकी निगाह पर पड़ी।

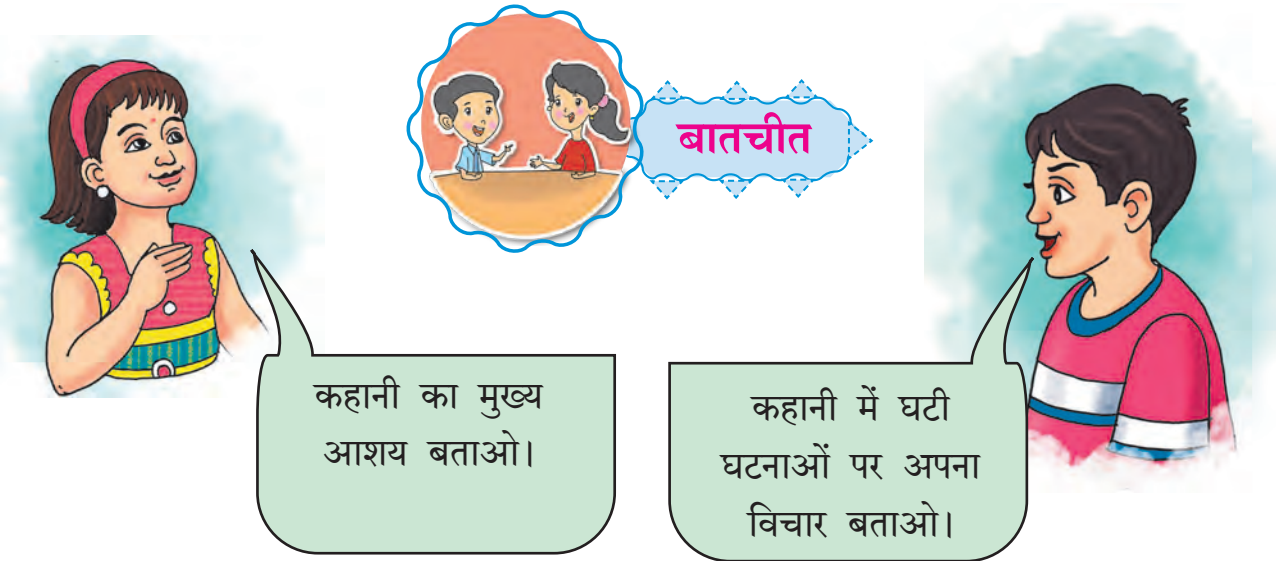


(५) बताओ और लिखो :



(६) कोष्ठक में दिए गए भिन्नार्थक शब्दों का उचित अर्थ समझकर वाक्यों में प्रयोग करो : (बाल, चरण, पर, चारा)

- (त) गाय खाती है।
 (थ) घर जाने के अलावा कोई नहीं है।
 (द) उसके घुँघराले सुंदर लगते हैं।
 (ध) १४ नवंबर को दिवस मनाते हैं।
 (न) कविता का दूसरा पढ़ो।
 (प) मैंने दादा जी के छुए।
 (फ) पंछी के होते हैं।
 (ब) अक्षय को आना था वह नहीं आ सका ।



अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी कराएँ। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। विशेष विद्यार्थियों की सहायता करें।



देखो, पढ़ो और समझो :

५. अनमोल उपहार



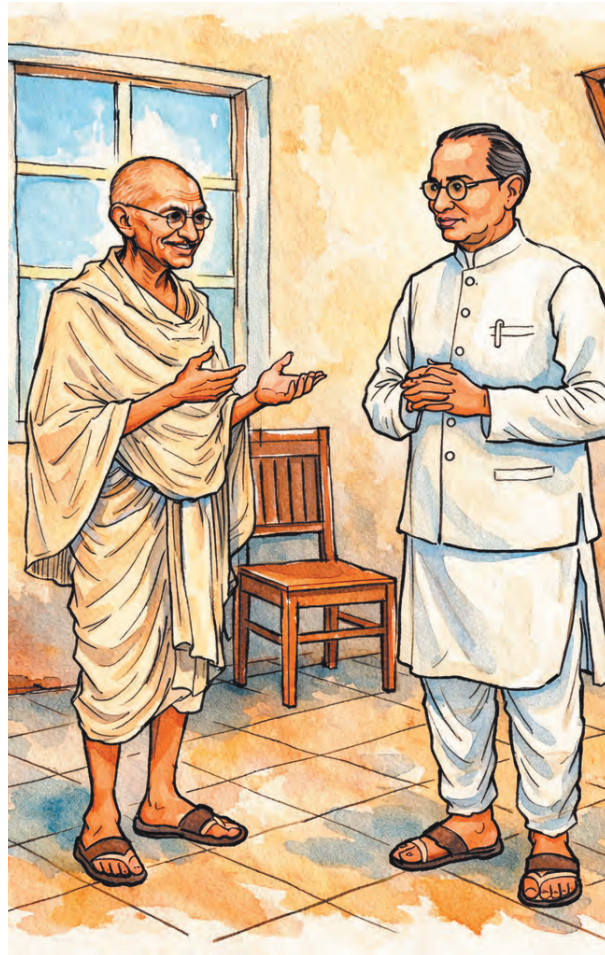
— डॉ. जयप्रकाश भारती

गांधीजी से सारा देश प्यार करता था; वे इस बात को जानते थे। लोगों के प्यार का बड़ा मान करते थे। बड़े-छोटे के भेद को वे बिल्कुल भी नहीं मानते थे। खास तौर से बच्चों के प्यार में तो जैसे वह अपने को भूल ही जाते थे।

एक बार जब वे मुंबई गए तो वहाँ एक पाठशाला में जाकर ठहरे। पाठशाला के बहुत से बालक आकर उनसे बातें करते रहे। कुछ बच्चों ने उन्हें प्यार से कई वस्तुएँ भेंट कीं।

गांधीजी के विदा होने का समय हो गया। वे अपना सामान बाँधने लगे। सामान पूरा बाँध चुका था, लेकिन वे कुछ ढूँढ़ रहे थे?

बापू ने कहा, “एक पेन्सिल थी। वह नहीं मिल रही है।” काका कालेलकर बापू के समय की कीमत जानते थे। उन्होंने कहा, “आप मेरी पेन्सिल ले लीजिए।”



बापू ने वह पेन्सिल नहीं ली। बोले, “वही पेन्सिल मिलनी चाहिए। उसे खोने का मुझे अधिकार नहीं है। चेन्नई में एक लड़का मुझे प्यार से अपनी पेन्सिल दे गया था। वह मेरे पास बहुत दिनों से है।”

अध्यापन संकेत : पाठ में घटित घटना समझाकर गांधीजी के स्वभाव की विशेषताएँ समझाएँ। इन घटनाओं के बारे विद्यार्थियों को उनके शब्दों में अपना मत देने के लिए कहें। हम महात्मा गांधी जयंती कब और क्यों मनाते हैं, यह पूछकर इसकी जानकारी प्राप्त करने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करें। पाठ के मुख्य विषय के बारे में छह-से-आठ वाक्यों में बोलने के लिए कहें। वे वस्तुएँ कैसे सँभालकर रखते हैं, इसके बारे में पूछें। उनमें वस्तुओं के प्रति लगाव तथा उसे उपहार देने वाले व्यक्ति के प्रति कृतज्ञता की भावना रखने का दृष्टिकोण विकसित करें।

सब लोगों ने मिलकर वह पेन्सिल ढूँढ़ी। वह पेन्सिल दो इंच से भी छोटी थी। बापू ने उसे सँभालकर रख लिया। तब कहीं चलना हो सका।

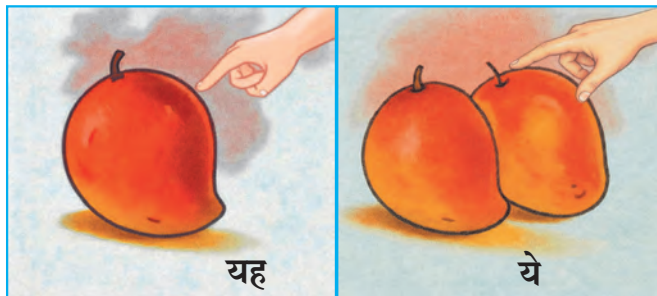
बापू प्यार की कीमत जानते थे। उस छोटे से बच्चे ने उन्हें सच्चे दिल से वह

पेन्सिल भेंट की थी।

गांधीजी का कहना था कि “प्रेम के दर्शन हम पिता-पुत्र, भाई-बहन और मित्र-मित्र के बीच करते हैं परंतु इसका अनुभव हर आयु के मनुष्य के साथ करना चाहिए।”



सर्वनाम पढ़ो और बताओ :



नये शब्द : अनमोल = मूल्यवान; उपहार = भेंट; विदा = जाना; आयु = उम्र।

अध्यापन संकेत : विद्यार्थियों को चित्र का निरीक्षण करने और उसके साथ दिए शब्द पढ़ने के लिए कहें। सर्वनाम का परिचय कराते हुए सर्वनाम के भेदों की जानकारी दें। सर्वनामों का प्रयोग करते हुए उचित वाक्य लिखने का अभ्यास कराएँ।

आओ करें



(१) सुनो और बताओ :

- (क) बापू क्या ढूँढ़ रहे थे?
- (ख) बापू के समय की कीमत कौन जानते थे?
- (ग) तुम अपनी वस्तुओं को कैसे सँभालकर रखते हो?
- (घ) तुम्हारे मित्र/तुम्हारी सहेली में कौन-कौन-से गुण हैं?



(२) चित्र देखकर ५-६ वाक्य बोलो :



(३) पढ़ो, समझो और संक्षेप में अर्थ बताओ :

- (च) “छोटे मन से कोई व्यक्ति बड़ा नहीं होता।” – अटलबिहारी वाजपेयी
- (छ) “हमें अपना काम करते रहना चाहिए।” – राम मनोहर लोहिया



(४) सुवचनों का अनुलेखन करो :

- (ट) गलतियाँ उन्हीं से होती हैं जो कुछ करने की कोशिश करते हैं।
- (ठ) आपकी बोली, आपके मन की कुंजी है।



(५) पुस्तकालय से लोकगीत की एक पुस्तक लेकर उसमें आए नये शब्दों की सूची बनाओ और उनके अर्थ शिक्षक की सहायता से ढूँढो।



(६) संज्ञा शब्दों का प्रयोग करते हुए स्वतंत्र वाक्य लिखो :

संज्ञा	वाक्य
घोड़ा	
मुंबई	
सुंदरता	
गुच्छा	
दूध	



बातचीत



समाचारपत्रों में प्रकाशित छायाचित्रों के आधार पर समाचार के विषय बताओ।



समाचारपत्र के शीर्षकों के अर्थ बताओ।

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी कराएँ। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। संज्ञा शब्द समझने में विशेष विद्यार्थियों को सहायता करें।



पढ़ो और बताओ :

६. अगर पेड़ भी चलते...



– डॉ दिविक रमेश



अगर पेड़ भी चलते होते,
कितने मजे हमारे होते!
बाँध तने में उसके रस्सी,
चाहे जहाँ कहीं ले जाते।

जहाँ कभी भी धूप सताती,
उसके नीचे झट सुस्ताते।
जहाँ कहीं वर्षा हो जाती,
उसके नीचे हम छिप जाते।

अध्यापन संकेत : उचित हाव-भाव, लय-ताल के साथ कविता का वाचन करें। विद्यार्थियों से समूह में गायन कराएँ। उसी प्रकार सहभागी वाचन की गतिविधियों में रुचि लेने के लिए कहें। कविता के आशय और मुख्य कल्पना पर चर्चा कराएँ। कविता में आए नये शब्दों की सूची बनाकर उनके अर्थ शब्दकोश से खोजने के लिए कहें। दी गई विषयवस्तु के आधार पर एक नई कविता की रचना करने के लिए कहें। कक्षा में आयोजित स्वरचित कविता गायन कार्यक्रम में सहभागी होने के लिए प्रेरित करें।

लगी भूख यदि हमें अचानक
तोड़ मधुर फल उसके खाते।
आती कीचड़-बाढ़ कहीं तो,
झट उसके ऊपर चढ़ जाते।



अगर चाहते खेल खेलना
डाल झुलाकर उसे झुलाते।
सबका मजा और बढ़ जाता
नये-नये पक्षी जब आते।
अगर पेड़ भी चलते होते,
कितने मजे हमारे होते!



पढ़ो, समझो और लिखो :

नीचे दिए गए वाक्यों में कर्ता, कर्म और क्रिया पहचानकर लिखो :

- (१) प्रिया पुस्तक पढ़ती है।
- (२) पिता जी बाजार से सब्जियाँ लाते हैं।
- (३) शिक्षक मानचित्र समझाते हैं।
- (४) गायक गीत गाता है।
- (५) अर्णव साइकिल चलाता है।
- (६) तोता अमरूद खाता है।

कर्ता	कर्म	क्रिया

अध्यापन संकेत : ऊपर दिए गए वाक्य विद्यार्थियों को पढ़ने के लिए कहें। वाक्यों में दिए गए शब्द कर्ता, कर्म और क्रिया हैं इनका अभ्यास कराएँ।

आओ करें



(१) सुनो और बताओ :

- (क) भूख लगने पर पेड़ हमें क्या देते हैं?
- (ख) धूप के सताने पर पेड़ हमारी किस प्रकार सहायता करते हैं?
- (ग) 'वृक्ष हमारे मित्र होते हैं'; इसपर दो-तीन वाक्य बताओ।
- (घ) पौधारोपण क्यों करना चाहिए?



(२) चित्र देखकर ५-६ वाक्य बोलो :



(३) पढ़ो और समझो : (संयुक्ताक्षरवाले शब्द)

प्रकृति देती करुणा और पृथ्वी देती माया।
पुष्प खुशबू देते, वृक्ष देते छाया।
चंद्र शीतलता, सूर्य देता रोशनी।
प्रकृति के हैं उपहार, आकाश और पानी।



(४) समझो और लिखो :

अगर पेड़ चलते तो! क्या-क्या होता -

.....

.....

.....

.....

.....



(५) शब्दों की अंत्याक्षरी खेलो। अंत्याक्षरी के शब्दों के पहले और अंतिम अक्षर से शुरू होने वाले सार्थक शब्द बनाकर लिखो :

आदर	दया		



(६) उचित सर्वनाम का प्रयोग करो।

- (च) प्रतिदिन व्यायाम करता हूँ। (तू, तुम, मैं)
- (छ) पौधे लगाएँगे। (हम, तू, मैं)
- (ज) यह काम करो। (तुम, हम)
- (झ) नीता को पुस्तकें चाहिए। (कौन, कुछ, आप)
- (ञ) फूल बहुत सुंदर हैं। (ये, यह)
- (ट) गुलाब की कली खिल गई। (जो-सो, अपने-आप, तुम)

‘पेड़ हमारे मित्र’
विषय पर पाँच-छह
वाक्यों में अपने विचार
व्यक्त करो।

कविता में आए नये
शब्दों के दो-दो
पर्यायवाची शब्द
बताओ।

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी कराएँ। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। विशेष विद्यार्थियों की सहायता करें।



चित्र देखो, उससे संबंधित वाक्य बोलो और लिखो :



.....

.....

.....

.....



.....

.....

.....

.....



.....

.....

.....

.....



.....

.....

.....

.....

पुनरावर्तन-४



(१) सुनो और बताओ :

- (क) 'पेड़' कविता में पेड़ से संबंधित कौन-कौन-से शब्द आए हैं?
- (ख) बेल पर लगने वाली सब्जियों के नाम बताओ।
- (ग) चार देशभक्तों के नाम बताओ।
- (घ) तुम्हारे परिसर में कौन-कौन-से पेड़ हैं?



(२) चित्र देखकर ५-६ वाक्य बोलो :



(३) नीचे दिए गए विविधता में एकता बताने वाले सुवचन पढ़ो और ऐसे ही सुवचन ढूँढ़कर लिखो :

हिंद देश के निवासी सभी जन एक हैं,
रंग, रूप, वेश, भाषा चाहे अनेक हैं।



(४) 'प' अक्षर से प्रारंभ होने वाले शब्द लिखो :

	जैसे- एक तिथि	पूर्णिमा
	वाद्य का नाम	
	वृक्ष का नाम	
	रंग का नाम	
	पत्तोंवाली सब्जी का नाम	
	शरीर का एक अंग	



(५) नीचे दिए सुवचनों का अनुलेखन करो :

(च) सदैव सत्य बोलो।

.....

(छ) समय बहुत मूल्यवान है।

.....

(ज) पेड़-पौधे हमारे मित्र हैं।

.....

(झ) विद्या सबसे बड़ा धन है।

.....



(६) नीचे दिए वाक्य पढ़ो। उनमें संज्ञा, सर्वनाम और क्रिया ढूँढ़कर लिखो :

(ट) हम पुस्तक पढ़ते हैं।

(ठ) मैं गोविंदपुर में रहता हूँ।

(ड) आप रसोईघर में खाना बनाती हैं।

(ढ) तुम दादी से कहानी सुनते हो।

संज्ञा	सर्वनाम	क्रिया
.....		
.....		
.....		
.....		



(७) नीचे दिए शब्द पढ़ो। इनका प्रयोग करते हुए वाक्य बनाकर लिखो :

आसमान, तारे, मित्र, नीला

(त)

(थ)

(द)

(ध)

प्रिय विद्यार्थी मित्रो और सहेलियो,

यदि तुम्हें कोई अयोग्य ढंग से स्पर्श करता है और तुम असमंजस या असहज अनुभव करते हो तो तुम कदापि चुप मत रहो। ऐसी घटना होने पर तुम्हें निम्न बातें करना आवश्यक है।

- १) स्वयं को दोष मत दो।
- २) जिन लोगों पर तुम्हें विश्वास है; उनसे घटित घटना के बारे में बताओ।
- ३) तुम पॉक्सो ई-बॉक्स के माध्यम से तुम्हारे अधिकारों की रक्षा हेतु स्थापित राष्ट्रीय आयोग को भी सूचित कर सकते हो।

जब कोई तुम्हें अनुचित/अयोग्य ढंग से छूता है/स्पर्श करता है तब तुम्हें बुरा लग सकता है। तुम परेशान और भ्रमित हो सकते हो। तुम स्वयं को असहाय महसूस कर सकते हो परंतु तुम्हें 'बुरा' लगने का कोई कारण नहीं होना चाहिए क्योंकि ऐसी घटना में तुम्हारा कोई दोष नहीं होता है।



इस बटन को दबाओ।

POCSO यह e-box ncpcr@gov.in इस वेबसाइट पर उपलब्ध है।

यदि तुम्हारी आयु १८ वर्ष से कम है और तुम्हें किसी ने सताया है/ तंग किया है और तुम कुछ समझ नहीं पा रहे हो, चिंतित अथवा तनावग्रस्त महसूस कर रहे हो अथवा इस प्रकार की परेशानी अनुभव करने वाले किसी लड़का/लड़की को जानते हो तो तुम १०९८ (दस नौ आठ) पर संपर्क करो। ऐसा करने से तुम्हारा और तुम्हारे मित्रों/सहेलियों का जीवन बदल सकता है।



चाइल्ड लाइन १०९८ (दस नौ आठ) : यह २४ घंटे टोल फ्री राष्ट्रीय आपातकालीन फोन सेवा है। महिला एवं बालविकास मंत्रालय द्वारा पीड़ित लड़कों/लड़कियों के लिए यह उपक्रम चाइल्ड लाइन फाउंडेशन ने प्रारंभ किया है।



नए समाज की ओर
Towards a new dawn

- विद्यार्थियों को उनके आयुगुट के अनुसार अच्छा स्पर्श और बुरा स्पर्श पहचानने के लिए शारीरिक एवं भावनिक दृष्टि से मार्गदर्शन करें।

राज्यगीत

जय जय महाराष्ट्र माझा, गर्जा महाराष्ट्र माझा
जय जय महाराष्ट्र माझा, गर्जा महाराष्ट्र माझा ॥धृ॥

भिती न आम्हा तुझी मुळी ही गडगडणाऱ्या नभा
अस्मानाच्या सुलतानीला जबाब देती जिभा
सह्याद्रीचा सिंह गर्जतो शिव शंभू राजा
दरी दरीतून नाद गुंजला महाराष्ट्र माझा
जय जय महाराष्ट्र माझा, गर्जा महाराष्ट्र माझा ॥१॥

काळ्या छातीवरी कोरली, अभिमानाची लेणी
पोलादी मनगटे खेळती, खेळ जीवघेणी
दारिद्र्याच्या उन्हात शिजला
निढळाच्या घामाने भिजला
देश गौरवासाठी झिजला
दिल्लीचे ही तख्त राखितो, महाराष्ट्र माझा
जय जय महाराष्ट्र माझा, गर्जा महाराष्ट्र माझा
जय जय महाराष्ट्र माझा ॥२॥



महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व
अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे.

हिंदी बालभारती इयत्ता तीसरी

(निःशुल्क वितरण के लिए)



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha